राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार 24 जनवरी 2024 वर्ष–6,अंक–360 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कदम-कदम बढ़ाए जा खुशी के गीत...

पराक्रम दिवस पर धनखड़ ने किया सुभाष चंद्र बोस को नमन

नयी दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस को नमन करते हुए कहा है कि संयुक्त, समृद्ध और स्वतंत्र भारत के लिए अथक प्रयास किए जाने चाहिए। धनखड़ ने मंगलवार को पराक्रम दिवस के अवसर पर जारी एक संदेश में कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस की भारत की स्वतंत्रता के लिए जिजीविषा और प्रतिबद्धता सदैव देशवासियों को प्रेरित करती रहेगी। धनखड़ ने कहा, निर्भीक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती 'पराक्रम दिवस' पर मैं उनका स्मरण और नमन करता हूं। उपराष्ट्रपति ने नेताजी के नारे तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा का उल्लेख करते हुए कहा कि इतिहास में यह नारा स्वतंत्रता का आह्वान बन गया है। धनखड़ ने कहा कि इस दिन के प्रतीक के रूप में 'भारत प्रथम' को याद रखा जाना चाहिए और संयुक्त, समृद्ध तथा स्वतंत्र भारत के लिए अथक प्रयास किए जाने चाहिए।

उत्तर भारत के कई हिस्से कोहरे के आगोश में, विलंब से चल रही 28 ट्रेनें

नयी दिल्ली। उत्तर भारत के कुछ हिस्सों में शीत लहर और कोहरा छाये रहने के कारण मंगलवार सुबह राष्ट्रीय राजधानी में रेल और हवाई यातायात पर असर पड़ा जिससे सैकड़ों यात्री हवाईअड्डे और रेलवे स्टेशनों पर घंटों प्रतीक्षारत हैं।

रेलवे सूत्रों के मुताबिक अनुसार घने कोहरे के कारण देश के विभिन्न हिस्सों से दिल्ली आने वाली 28 ट्रेनें विलंब से चल रही है। हावड़ा-नयी दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस और भुवनेश्वर-नयी दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय से कम से कम चार से पांच घंटे देरी से चल रही है। कोहरे के कारण दृश्यता भी कम हो गयी है, जिससे दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान संचालन में देरी हुई

पराक्रम दिवस पर पीएम मोदी-राहुल समेत सुभाष चंद्र बोस को राजनेताओं ने ऐसे किया याद

नई दिल्ली। आजादी की लड़ाई को अपने नारों से नई ऊर्जा देने वाले नेताजी सुभाष चंद्र भोस की 127वीं जयंती है. नेताजी ने स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन में तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा नारा दिया था और आज वो महान स्वंत्रता सेनानियों में शामिल हैं. आज ही के दिन उड़ीसा के कटक में नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जन्म हुआ था. भारत सरकार ने साल 2021 में आज के दिन को पराक्रम दिवस के तौर पर मनाने का फैसला किया था. आज पराक्रम दिवस के मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से लेकर, पीएम मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने नेताजी को याद कर श्रद्धांजलि अर्पित की.

नेताजी देशभक्ति के प्रतीक हैं- द्रौपदी मुर्मू

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ट्वीट कर कहा, पराक्रम दिवस पर, सभी देशवासी भारत माता के एक महान सपूत, नेताजी सुभाष चंद्र बोस को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं. नेताजी असाधारण साहस और देशभक्ति के प्रतीक हैं. उनके नेतृत्व में लाखों लोग भारत के स्वतंत्रता संग्राम में शामिल हुए थे. सभी भारतवासी सदैव उनके ऋणी रहेंगे.

भारत सरकार ने साल 2021 में नेताजी सुभाष चंद्र भोस की जयंती को पराक्रम दिवस के तौर पर मनाने का फैसला किया था.

नेताजी के विजन पर काम कर रहे- पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस मौके पर ट्वीट कर लिखा, मैं नेताजी सुभाष चंद्र बोस को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और भारत के इतिहास में उनके अद्वितीय योगदान को याद करता हूं. हम भारत के लिए उनके विजन को साकार करने के लिए काम कर रहे हैं.

देश की पीढ़िया नेताजी की प्रेरणा प्राप्त करती हैं- राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लिखा, नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर मैं उन्हें स्मरण एवं नमन करता हूं. वे भारतीय स्वाधीनता संग्राम के ऐसे महानायक हैं जिन्होंने भारत माता को गुलामी से मुक्त कराने के लिए शौर्य और पराक्रम की पराकाष्ठा का परिचय दिया. भारत की भावी पीढ़ियां भी नेताजी से प्रेरणा प्राप्त करती रहेंगी.

नेताजी का बलिदान सदैव हमारी प्रेरणा- जेपी नड्डा

जेपी नड्डा ने नेताजी सुभाष चंद्र के बलिदान को याद करते हुए कहा, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान क्रांतिवीर, अपने साहस व शौर्य से करोड़ों भारतीयों के हृदय में स्वतंत्रता की अलख जगाने वाले नेताजी सुभाषचंद्र बोस जी की जयंती पर कोटिशः नमन करता हूं. आपका बलिदान सदैव हमारी प्रेरणा है. समस्त देशवासियों को पराक्रम दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं.

क़दम क़दम बढ़ाए जा खुशी के गीत गाए जा- राहुल गांधी

कांग्रेस सासंद राहुल गांधी ने इस मौके पर कहा, महान स्वतंत्रता सेनानी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस को मेरी विनम्र श्रद्धांजलि, जिनका साहस और देशभक्ति आज भी हर भारतीय को हमारे महान देश की स्वतंत्रता की रक्षा और संरक्षण के लिए प्रेरित करती है.

स्वतंत्रता संग्राम में नई ऊर्जा पैदा की- सीएम केजरीवाल

दिल्ली सीएम केजरीवाल ने ट्वीट कर लिखा, आज़ादी की लड़ाई में देश के युवाओं को संगठित कर स्वतंत्रता संग्राम में नई ऊर्जा पैदा करने वाले महान स्वतंत्रता सेनानी एवं प्रेरणास्रोत नेताजी सुभाषचंद्र बोस जी की जयंती पर उन्हें कोटि कोटि नमन.

'जो कल हमने देखा, वर्षों तक याद रहेगा', पीएम मोदी ने शेयर किया प्राण-प्रतिष्ठा का वीडियो

नई दिल्ली। 500 सालों के संघर्ष के बाद रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हो गई है। पीएम की अगुवाई में अयोध्या मंदिर में रामलला की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा की गई। हालांकि, अब पीएम मोदी ने राम मंदिर से जुड़ा एक वीडियो एक्स पर शेयर किया है।

पीएम मोदी ने एक्स पर शेयर किया वीडियो

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा- 22 जनवरी को हमने अयोध्या में जो देखा, वह आने वाले वर्षों तक हमारी यादों में रहेगा।

राम सिर्फ हमारे नहीं, सबके हैं- पीएम मोदी

बता दें कि अयोध्या में प्रभु श्रीराम के राघव स्वरूप विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा सोमवार को संपन्न हुई। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोगों को संबोधित भी किया। उन्होंने कहा कि भारत के सामाजिक भाव की पवित्रता से अनभिज्ञ कुछ लोग कहते थे कि राम मंदिर बना तो आग लग जाएगी। उन्होंने कहा राम आग नहीं, ऊर्जा हैं। राम विवाद नहीं, समाधान हैं। राम विजय नहीं, विनय हैं। राम सिर्फ हमारे नहीं, सबके हैं।

प्राण प्रतिष्ठा में ये लोग रहे मौजूद

राम जन्मभूमि पर नवनिर्मित मंदिर में सोमवार को दोपहर 12:29:08 बजे अभिजित मुहूर्त में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच प्रभु श्रीराम के 51 इंच ऊंचे बालरूप विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा की गई। प्राण प्रतिष्ठा के लिए

हुए अनुष्ठान के दौरान मंदिर के गर्भ गृह में आचार्यों और पुरोहित मौजूद रहे। इसके अलावा RSS प्रमुख मोहन भागवत, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास भी मौजूद थे।

गणतंत्र दिवस पर शानदार होगा IAF का फ्लाईपास्ट

टर्बाइन और बायोफ्यूल से उड़ान भरेगा डोर्नियर 228 विमान

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस के अवसर पर इस बार फ्लाईपास्ट के दौरान उड़ाए जाने वाले तांगेल फॉर्मेशन में हेरिटेज विमान डकोटा को शामिल किया गया है। इसमें दो डोर्नियर Do-228 विमान भी होंगे, जो एविएशन टर्बाइन फ्यूल और बायोफ्यूल के जरिए उड़ान भरेंगे। भारतीय वायु सेना मंगलवार को बताया कि तांगेल फॉर्मेशन उस सफल एयरड्रॉप को फिर से दोहराएगा जिसमें 11 दिसंबर, 1971 को भारतीय वायु सेना के जवानों को पैराशूट से गिराया गया था। बता दें कि भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान शत्रु क्षेत्र पर भारतीय सुरक्षा बलों की यह पहली एयरड्रॉप थी।

इस साल गणतंत्र दिवस परेड में क्या रहेगा खास?

इसके अलावा, भारत में निर्मित हथियार प्रणालियां भी इस साल के गणतंत्र दिवस परेड में मुख्य आकर्षणों का केंद्र रहेंगे। इसमें भारतीय सेना से एलसीएच प्रचंड हेलिकॉप्टर, पिनाका मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर और नाग एंटी-टैंक मिसाइलें शामिल हैं। बता दें कि एलसीएच प्रचंड एचएएल द्वारा डिजाइन और निर्मित पहला स्वदेशी मल्टी-रोल कॉम्बैट हेलीकॉप्टर है। इसमें शक्तिशाली जमीनी हमले और हवाई युद्ध की क्षमता है। हेलीकॉप्टर में मजबूत कवच सुरक्षा और जबरदस्त रात में हमला करने की क्षमता है। जहाज पर उन्नत नेविगेशन प्रणाली, नजदीकी लड़ाई के लिए तैयार बंदूकें और शक्तिशाली हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलें एलसीएच को आधुनिक युद्धक्षेत्र के लिए विशेष रूप से अनुकूल बनाती हैं। NAG को डीआरडीओ द्वारा दिन और रात की स्थितियों में अत्यधिक मजबूत दुश्मन टैंकों से निपटने के लिए विकसित किया गया है। मिसाइल में समग्र और प्रतिक्रियाशील कवच से लैस सभी एमबीटी को हराने के लिए निष्क्रिय होमिंग मार्गदर्शन के साथ फायर एंड फॉरगेट टॉप अटैक क्षमताएं हैं। NAG मिसाइल वाहक NAMICA उभयचर क्षमता वाली BMP II आधारित प्रणाली है। सेना के अधिकारियों ने कहा कि भारतीय उद्योग द्वारा स्वदेशी रूप से निर्मित नवीनतम बख्तरबंद वाहनों और विशेषज्ञ वाहनों को भी परेड में प्रदर्शित किया जाएगा, जहां फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन मुख्य अतिथि होंगे।

कूनो नेशनल पार्क से एक और गुड न्यूज, मादा चीता ज्वाला ने दिया 3 शावकों को जन्म

भोपाल। देश में चीतों के निवास स्थल कूनो नेशनल पार्क से बड़ी खबर सामने आई है। नामीबिया से आई मादा चीता ज्वाला ने 3 शावकों को जन्म दिया है।कूनो की मेडिकल टीम के मुताबिक, नवजात शावकों की हेल्थ कंडीशन ठीक है और उनकी देखभाल की जा रही है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने इसका वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफार्म ङ्क पर शेयर किया है। गौरतलब हो, बीते दिनों मादा चीता आशा ने भी 3 शावकों को जन्म दिया था। जानकारी के अनुसार, इससे पहले इससे पहले मार्च 2023 में मादा चीता ज्वाला ने चार शावकों को जन्म दिया था, लेकिन एक ही शावक जिंदा बच पाया। तब कूनो प्रबंधन ने शावकों की मौत की वजह भीषण गर्मी को बताया था। ज्वाला को पहले शियाया के नाम से जाना जाता था बाद में इसका नाम ज्वाला रखा गया था। कूनो नेशनल पार्क में पिछले 1 महीने में अबतक 6 शावकों का जन्म हो चुका है। नामीबिया से आई मादा चीता ज्वाला ने 3 शावकों को जन्म दिया है। जबकि, बीते दिनों मादा चीता आशा ने भी 3 शावकों को जन्म दिया था। 3 जनवरी को मादा चीता आशा ने 3 शावकों को जन्म दिया है। इनमें से सभी चीते स्वस्थ हैं और KNP की टीम उनकी खास देखभाल कर रही है। कूनो नेशनल पार्क में

अब धीरे-धीरे चीतों का कुनबा बढ़ रहा है। पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा कूनो के नए शावक, ज्वाला नाम की नामीबियाई चीता ने तीन शावकों को जन्म दिया है, यह नामीबियाई चीता आशा द्वारा अपने शावकों को जन्म देने के कुछ ही सप्ताह बाद एक और गुड न्यूज है। सभी वन्यजीव वन्यजीव प्रेमियों को बधाई। भारत में इसी तरह से वन्य जीवन बढ़ता रहे। प्रोजेक्ट चीता सफल हो।

राम नाम की होगी गूंज, मक्का और वेटिकन का भी टूटेगा रिकॉर्ड; पहुंचेगा 10 करोड़ भक्तों का सैलाब

नई दिल्ली। अयोध्या में रामलला के विराजमान होने के साथ ही 500 सालों का इंतजार खत्म हो गया। भारत और दुनिया के तमाम देशों में रह रहे राम भक्तों के लिए यह भावुक करने वाला क्षण था। अब अयोध्या में भक्तों का सैलाब उमड़ सकता है। अनुमान है कि एक साल में राम मंदिर जाने वालों की संख्या 10 करोड़ तक हो सकती है, जो दुनिया के किसी भी धार्मिक स्थल से ज्यादा होगी। मक्का में सालाना 2 करोड़ लोग ही जाते हैं, जबकि वेटिकन पहुंचने वालों का आंकड़ा 90 लाख ही है। इस लिहाज से देखें तो राम मंदिर इन सभी से कहीं आगे होगा। इसके अलावा भारत में ही काशी के विश्वनाथ धाम, अमृतसर

के पवित्र स्वर्ण मंदिर, दक्षिण में आस्था के बड़े केंद्र तिरुपति मंदिर और वैष्णो देवी धाम से भी कहीं ज्यादा लोगों के राम मंदिर पहुंचने की उम्मीद है। काशी विश्वनाथ धाम में बीते दो सालों को मिलाकर देखें तो 13 करोड़ लोग पहुंचे थे, जो बहुत बड़ा आंकड़ा है। अब उससे भी कहीं आगे राम मंदिर में श्रद्धालुओं का तांता लग सकता है। यही नहीं इससे यूपी सरकार के राजस्व में भी बड़े उछाल की उम्मीद है। एसबीआई की रिसर्च रिपोर्ट के अनुसार राम मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं के चलते यूपी सरकार को वित्त वर्ष 2024-25 में करीब 25 हजार करोड़ रुपये का राजस्व मिल सकता है।

आंकड़ों के मुताबिक आंध्र प्रदेश के तिरुपति बालाजी मंदिर में हर साल 2.5 करोड़ लोग जाते हैं। भगवान वेंकटेश्वर के इस पवित्र मंदिर की दुनिया भर में मान्यता है और बड़े पैमाने पर लोग दान भी करते हैं। वहीं वैष्णोदेवी में साल भर में करीब 90 लाख लोग जाते हैं। इस्लाम के सबसे पवित्र स्थल मक्का जाने वाले लोगों की संख्या सालाना 2 करोड़ तक है। यहां की मस्जिद और काबा के लिए दुनिया भर से लोग पहुंचते हैं। गौरतलब है कि राम मंदिर का निर्माण 2022 में चल ही रहा था। तब भी अयोध्या में 2.21 करोड़ लोग पहुंचे थे। इससे समझा जा सकता है कि आने वाले दिनों में क्या आंकड़ा हो सकता है।

हर साल ही राम मंदिर में करीब 10 करोड़ लोगों के पहुंचने का अनुमान है, जो पूरी इंडस्ट्री के लिए उत्साह बढ़ाने वाला है। अयोध्या में होटल इंडस्ट्री, इन्फ्रास्ट्रक्चर और एफएमसीजी कारोबार में भी तेजी से उछाल आने की उम्मीद है। बड़े पैमाने पर अयोध्या में काम चल भी रहा है। सड़कों, होटलों, स्टेशन, बस अड्डा और एयरपोर्ट समेत तमाम व्यवस्थाएं की गई हैं और बहुत सी चीजें संवर भी रही हैं। ऐसे में अयोध्या आस्था के साथ ही बिजनेस का भी हब बन सकता है। इसके चलते अयोध्या के अलावा आसपास के जिलों जैसे सुल्तानपुर, बाराबंकी आदि को भी फायदा मिलेगा।

बाबरी विध्वंस में आपका हाथ था- 'नहीं पैर था', पत्रकार के पूछते ही भड़क उठे थे बाल ठाकरे

नई दिल्ली। हिंदू हृदय सम्राट माने जाने वाले बालासाहेब ठाकरे ना सिर्फ शिव सेना के संस्थापक और मराठी अस्मिता जगाने वाले नेता थे बल्कि राम मंदिर आंदोलन के एक बड़े नेता भी थे। 6 दिसंबर, 1992 को अयोध्या में बाबरी विध्वंस में उनकी भी संलिप्तता मानी गई है। हालांकि, वह खुद बाबरी विध्वंस स्थल पर मौजूद नहीं थे, लेकिन माना जाता है कि वह बाबरी ढांचा गिराने की साजिश और रणनीति का वह भी अहम हिस्सा थे। बालासाहेब ठाकरे ने खुद दावा किया था कि उनके संगठन ने मस्जिद गिराने में अहम भूमिका निभाई थी। शिवसेना संस्थापक अपनी सांप्रदायिक राजनीति के लिए जाने जाते थे। उन्होंने बाबरी मस्जिद विध्वंस को सही ठहराते हुए कार सेवकों के कार्य की खूब प्रशंसा की थी। ठाकरे ने कहा था कि उन्हें अपने शिव सैनिकों पर गर्व है।

ठाकरे ने एक इंटरव्यू में कहा था कि कार सेवकों ने मस्जिद नहीं गिराई बल्कि राम मंदिर को ऊंचा उठाया था। वह अपने उग्र और बेवाक अंदाज के लिए जाने जाते थे। उन्होंने कहा था कि हमें इस पर कोई शर्म नहीं बल्कि अभिमान है। जब उनसे पूछा गया था कि लोग कहते हैं कि बाबरी विध्वंस के वक्त एक भी शिव सैनिक वहां मौजूद नहीं था, तो ठाकरे ने तपाक से कहा, ÷ऐसा मत कहिए, नहीं तो बड़े शर्म की बात है। हम ज्यादा कहेंगे तो सीबीआई हमारे पीछे लग जाएगी। वरिष्ठ पत्रकार रजत शर्मा ने बाल ठाकरे को उनकी जयंती पर याद करते हुए एक्स पर लिखा है, हिंदू हृदय सम्राट माने जाने वाले बालासाहेब ठाकरे को उनकी जयंती पर नमन। वह अयोध्या में भव्य राम मंदिर देखने के लिये बेताब थे। आप की अदालत में मैंने उनसे पूछा, बाबरी मस्जिद गिराने में आप का हाथ था? उन्होंने तुरंत ही कहा, ÷हाथ नहीं, पाँव था । उनकी बेबाक़ी कमाल की थी। आज वो होते तो रामलला को टाट से ठाठ में पहुँचते देख कर वह बहुत प्रसन्न होते। दिव्य राम मंदिर के लिये नरेंद्र मोदी को आशीर्वाद देते। शिवसेना के मुख पत्र सामना में भी आज संपादकीय में लिखा गया है कि श्रीराम का जन्म अयोध्या में ही हुआ और अयोध्या राम की ही है, ऐसा दृढ़ता से कहने वाले और उसके लिए उठे आंदोलन में संघर्ष की समिधा डालने वाले नेताओं में शिवसेना प्रमुख बालासाहेब छाकरे का नाम सबसे ऊपर है। हालांकि, भारतीय जनता पार्टी का वर्तमान नेतृत्व इसके लिए ठाकरे साहब का आभारी नहीं है।

संपादकीय में लिखा गया है, ÷भाजपा का अयोध्या उत्सव का मकसद देश को राम के नाम पर सिर्फ 'मोदी-मोदी' कराना होगा और इस पाखंड को बेनकाब करने के लिए आज शिवसेना प्रमुख की ही जरूरत थी। शिवसेना प्रमुख का अस्तित्व सत्य और नैतिकता की राजनीति की ताकत थी। आज हमारे देश से सत्य और नैतिकता समाप्त हो चुकी है और देशभक्ति के गोवर्धन को अपनी उंगली पर धारण करने हेतु शिवसेना प्रमुख नहीं हैं।÷

बाल ठाकरे का जन्म 23 जनवरी, 1926 को महाराष्ट्र के पुणे में केशव सीताराम ठाकरे के घर हुआ था। बाल ठाकरे ने अपने करियर की शुरुआत एक कार्टूनिस्ट के रूप में की थी। बाद में उन्होंने शिव सेना नामक एक राजनीतिक दल की स्थापना की थी। वह हिन्दुत्व के कट्टर समर्थक थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

रामलला विराजमान

सनातनी आस्था के संसार में बहुप्रतीक्षित प्रकाश है। 22 जनवरी, 2024 या पौष मास, शुक्ल पक्ष, द्वादशी तिथि, अभिजीत मुहूर्त के विशेष 84 सेकंड सदा के लिए भारतीय इतिहास में दर्ज हो गए हैं। सोमवार को अयोध्या के नवनिर्मित राम मंदिर में नई राम प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरे उत्साह से कहा है कि रामलला अब तंबू में नहीं रहेंगे। उन्होंने भाव विभोर होकर कहा है कि हमारे राम आ गए हैं। दुनिया देख रही है, सनातन बहुल देश के प्रधानमंत्री ने राष्ट्र के एक प्रिय आराध्य से क्षमता मांगते हुए कह रहे हैं कि हमारे प्रयास, त्याग और तपस्या में कुछ कमी रही होगी, तभी तो हम इतनी सदियों तक यह काम नहीं कर पाए। प्रधानमंत्री के उद्गार को सहज ही समझा जा सकता है, जिन लोगों को राम मंदिर आंदोलन पूरा याद है, उनके लिए यह निर्णायक और बहुत प्रभावी मोड़ है। कोई आश्चर्य नहीं, देश की अनेक विभूतियां साक्षी बनने के लिए आमंत्रण मिलते ही दौड़ी चली आईं। पूरे देश में अनगिनत घरों और वाहनों पर लहराते राम ध्वज ने परिवेश को अयोध्यामय बना दिया है। निस्संदेह, इस प्राण-प्रतिष्ठा ने करीब पांच सदी से उदास-उनींदी सी अयोध्या के चप्पे-चप्पे को जगा दिया है। देश भर में तरह-तरह के आयोजनों और दीप सज्जा ने दूसरी दीपावली का एहसास पैदा कर दिया है। लोग अपने-अपने ढंग से दुनिया भर में आनंद मना रहे हैं। प्रधानमंत्री ने उचित ही संकेत किया है कि 22 जनवरी, 2024 कैलेंडर पर लिखी तारीख भर नहीं है, यह एक नए समय-चक्र की उत्पत्ति है। मतलब, राम मंदिर के बाद यह स्वतंत्र भारत की एक नई यात्रा है। मई 1951 में जब सोमनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार हुआ था, तब उसे लेकर उच्च स्तर पर आम-सहमति नहीं थी, पर अब इक्का-दुक्का विरोध के अलावा सभी पक्ष सहमत हैं कि राम मंदिर बनना चाहिए। प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम में मुस्लिमों व अन्य धर्मों के लोगों की भी हिस्सेदारी रही है। धीरे-धीरे न्यायालय में बनी सहमति की विशेष भूमिका है, जिसे हमेशा याद किया जाएगा, वरना इसी दुनिया में मजहब या विचारधारा के नाम पर अनेक मौकों पर हमने एकतरफा मनमानियों को कहर ढाते देखा है। सदियों की प्रतीक्षा के बाद रामलला जब अपने भव्य भवन में विराजमान हो गए हैं, तब अनायास गोस्वामी तुलसीदास के राजा राम की याद आ रही है, जिन्होंने राजा रूप में अपने पहले ही संबोधन में कहा था, परहित सरिस धर्म नहिं भाई। पर पीड़ा सम नहिं अधमाई। अर्थात, दूसरों की भलाई के समान कोई धर्म नहीं है और दूसरों को दुख पहुंचाने के समान कोई नीचता या पाप नहीं है। इस देश में महात्मा गांधी ने भी राम राज्य का सपना देखा था, क्या उसे साकार करने की दिशा में हम बढ़ चलेंगे? लोकतंत्र, न्याय, तार्किकता, शास्त्रार्थ को अपने स्वभाव में सहेजने वाले इस देश में इस प्रश्न को पीछे नहीं धकेलना चाहिए। इस मंदिर-निर्माण का प्रभाव जनमानस पर अवश्य पड़ना चाहिए। सनातन समाज का उत्साह बढ़ा है, तो सकारात्मकता का भी विस्तार होना चाहिए। सनद रहे, पौराणिक नगरी अयोध्या की रौनक वस्तुतः राम की नीतियों के कारण है, जिन्होंने कहा था, जौं अनीति कछु भाषौं भाई। तौ मोहि बरजहु भय बिसराई। अर्थात, यदि मैं कुछ अनिति की बात कहूं, तो भय भुलाकर मुझे रोक देना।

आज का राशीफल

मेष आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने बहुमूल्य सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा।

वृषभ व्यावसायिक योजना सफल होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। त्वचा उदर या वायु विकार की संभावना है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किया गया प्रयास सफल होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। परिश्रम अधिक करना होगा।

कर्क पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

कन्या व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। अनचाही यात्रा या विवाद में फंस सकते हैं।

तुला बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है। विरोधी शारीरिक या मानसिक रूप से कष्ट देंगे। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पिता या संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा।

वृश्चिक पारिवारिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मैत्री संबंध में प्रगाढ़ता आयेगी।

धनु शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। छोटी-छोटी बातों पर उत्तेजना हो सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

मकर रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रोग और विरोधी बढ़ेंगे। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। चली आ रही समस्याओं का समाधान होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखत व लाभप्रद होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

बालिकाओं की सुरक्षा के हो गम्भीर प्रयास

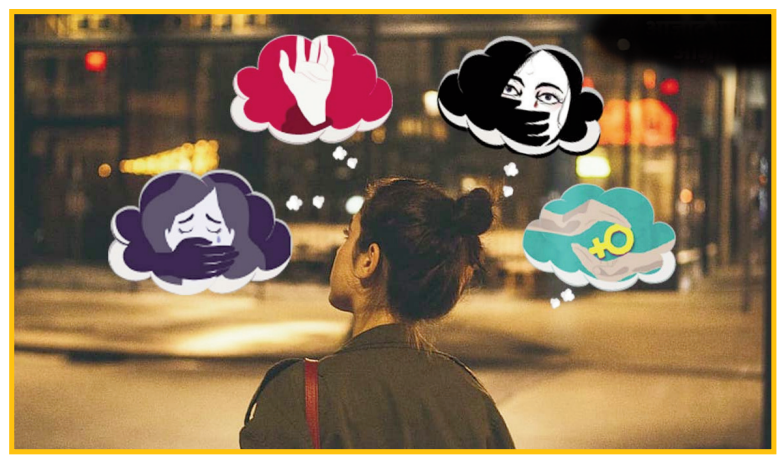

(लेखक-रमेश सर्राफ धमोरा -24 जनवरी राष्ट्रीय बालिका दिवस पर विशेष

लड़कियों को सशक्त बनाने और समाज में उनके सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के महत्व को उजागर करने के लिए भारत में हर साल 24 जनवरी को राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। यह लड़कियों के अधिकारों और अवसरों को बढ़ावा देते हुए उनकी ताकत और क्षमता का जश्न मनाने का दिन है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा 2008 में पहली बार राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाना शुरू किया गया था। देश में लड़कियों द्वारा सामना की जाने वाली सभी असमानताओं के बारे में लोगों के बीच जागरूकता फैलाना व बालिकाओं के अधिकारों के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना इसको मनाने का मुख्य उदेश्य है। 24 जनवरी 1966 को पहली बार बतौर प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपना कार्यभार संभाला था। उस दिन की याद में राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाने लगा। राष्ट्रीय बालिका दिवस 2024 का विषय है आइए हम अपनी लड़कियों को मजबूत, स्वतंत्र और निडर बनाएं।

भारत में आज हर क्षेत्र में बालिकाओं के आगे बढने के बावजूद भी वह अनेको कुरीतियों की शिकार हैं। ये कुरीतियों उसके आगे बढने में बाधाएं उत्पन्न करती है। पढ़े-लिखे लोग और जागरूक समाज भी इस समस्या से अछूता नहीं है। आज हजारों लड़कियों को जन्म लेने से पहले ही मार दिया जाता है। आज भी समाज के अनेक घरों में बेटा, बेटी में भेद किया जाता है। बेटियों को बेटों की तरह अच्छा खाना और अच्छी शिक्षा नहीं दी जाती है।

समाज में आज भी बेटियो को बोझ समझा जाता है। हमारे यहां आज भी बेटी पैदा होते ही उसकी परवरिश से ज्यादा उसकी शादी की चिन्ता होने लगती है। आज महंगी होती शादियों के कारण बेटी का बाप हर समय इस बात को लेकर चिंतित नजर आता है कि उसकी बेटी की शादी की व्यवस्था कैसे होगी। समाज में व्याप्त इसी सोच के चलते कन्या भ्रूण हत्या पर रोक नहीं लग पायी है। कोख में कन्याओ को मार देने के कारण समाज में आज लड़कियों की काफी कमी हो गयी है।

हमारे देश में यह एक बड़ी विडंबना है कि हम बालिका का पूजन तो करते हैं। लेकिन जब हमारे खुद के घर बालिका जन्म लेती है तो हम दुखी हो जाते हैं। देश में सभी जगह ऐसा देखा जा सकता है। देश के कई प्रदेशों में तो बालिकाओं के जन्म को अभिशाप तक माना जाता है। लेकिन बालिकाओं को अभिशाप मानने वाले लोग यह क्यों भूल जाते हैं कि वह उस देश के नागरिक हैं, जहां रानी लक्ष्मीबाई जैसी विरांगनाओं ने देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे।

पिछले कुछ वर्षों में देश में जन्म के समय लिंगानुपात में बढ़ोतरी होना शुभ संकेत हैं। संसद में एक सवाल का जवाब में महिला एवं बाल विकास मंत्री ने कहा था कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना ने बालिकाओं के अधिकारों को स्वीकार करने के लिए जनता की मानसिकता को बदलने की दिशा में सामूहिक चेतना जगाई है। इस योजना ने भारत में सीएसआर (बाल लिंग अनुपात) में गिरावट के मुद्दे पर चिंता जताई है। यह राष्ट्रीय स्तर पर जन्म के समय लिंग अनुपात (एसआरबी) में 15 अंकों के सुधार के रूप में परिलक्षित होता है। जो कि 2014 में 918 था। जबकि 2022-23 में 15 अंक बढ़कर 933 हो गया। देखा जाय तो अगर समाज में बेटियों को भी उचित शिक्षा और सम्मान मिले तो कभी भी बेटिया किसी भी क्षेत्र में पीछे नही रहेगी। इसलिए यदि यह कहा जाय की बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना नही हम सबकी एक जिम्मेदारी है। तो इसमें कोई गलत नही है। यदि हम सभी एक अच्छे समाज का निर्माण करना चाहते है तो हम सबका यही फर्ज बनता है हम इन बेटियों को भी भयमुक्त वातावरण में पढ़ाये। उन्हें इतना सशक्त बनाये की खुद गर्व से कह सके की देखो वह हमारी बेटी है जो इतना बड़ा काम कर रही है।

भारत में हर साल तीन से सात लाख कन्या भ्रूण नष्ट कर दिये जाते हैं। इसलिए यहां महिलाओं से पुरुषो की संख्या 5 करोड़ ज्यादा है। समाज में निरंतर परिवर्तन और कार्य बल में महिलाओं की बढ़ती भूमिका के बावजूद रूढिवादी विचारधारा के लोग मानते हैं कि बेटा बुढ़ापे का सहारा होगा और बेटी हुई तो वह अपने घर चली जायेगी। बेटा अगर मुखाग्नि नहीं देगा तो कर्मकांड पूरा नहीं होगा।

आज लड़किया लड़को से किसी भी क्षेत्र में कमतर नहीं हैं। दुश्कर से दुश्कर कार्य लड़किया सफलतापूर्वक कर रही हैं। देश में हर क्षेत्र में महिला शक्ति को पूरी हिम्मत से काम करते देखा जा सकता है। समाज के पढ़े लिखे लोगों को आगे आकर कन्या भ्रूण हत्या जैसे घिनोने कार्य को रोकने का माहौल बनाना होगा। ऐसा करने वाले लोगों को समझा कर उनकी सोच में बदलाव लाना होगा। लोगों को इस बात का संकल्प लेना होगा कि ना तो गर्भ में कन्या की हत्या करेगें ना ही किसी को करने देगें तभी देश में कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लग पाना संभव हो पायेगा।

एक तरफ जहां बेटी को जन्मते ही मरने के लिये लावारिश छोड़ दिया जाता है। वहीं झुंझुनू जिले की मोहना सिंह जैसी बालिकायें भी है जो आज देश में फाईटर प्लेन उड़ा कर जिले का पूरे देश में मान बढ़ा रही हैं। समाज में सभी को मिलकर राष्ट्रीय बालिका दिवस के दिन हमें लडका-लडकी में भेद नहीं करने व समाज के लोगों को लिंग समानता के बारे में जागरूक करने की प्रतिज्ञा लेनी चाहिए।

बालिकाओं का कोख में तो कत्ल कर उन्हे धरती पर आने से पहले ही मारा जा रहा है। उससे भी घिनोना काम जिन्दा बालिकाओं के साथ किया जा रहा है। देश में बालिकाओं के साथ हर दिन बलात्कार, प्रताडना की घटनायें अखबारो की सुर्खिया बनती हैं। बालिकायें कही भी अपने को सुरक्षित नहीं समझती हैं। चाहे घर हो या स्कूल अथवा कार्य स्थल। हर जगह वहशी भेडिये उन पर नजरे गड़ायें रहते हैं। उन्हे जब भी मौका मिलता है नोंच डालते हैं। ऐसे माहौल में देश की बालिकायें कैसे आगे बढ़ पायेगीं।

हर साल बालिका दिवस मनाने की बजाय सरकार व समाज को मिलकर ऐसे वातावरण का निर्माण करने का प्रयास करना चाहिये जिसमें बालिकायें खुद को महफूज समझ सकें। जब तक बालिकाओं की सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था नहीं हो पायेगी तब तक बालिका दिवस मनाने की कोई सार्थकता नहीं हो पायेगी। बालिकाओं पर अत्याचार करने वालों के मन में भय व्याप्त करने के लिये सरकार को कानून में और अधिक सुधार करना चाहिये।

बालिकाओं को कई प्रकार के भेदभाव का शिकार होना पड़ता है। समाज और राष्ट्र के विकास के लिए बालिकाओं के महत्व को स्वीकार करना और बढ़ावा देना आवश्यक है। शिक्षा प्रत्येक बच्चे का मौलिक अधिकार है। एक शिक्षित लड़की ही अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के आर्थिक विकास में योगदान दे सकती है। कानूनी सुरक्षा बालिकाओं के अधिकारों की सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण पहलू है। जागरूकता कार्यक्रमों और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से लड़कियों के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण को बदलने के लिए भी उतना ही आवश्यक है।

हमारे समाज का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि हम आज अपनी बच्चियों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं और उन्हें कितना महत्व देते हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, कानूनी सुरक्षा और सामाजिक सशक्तिकरण के माध्यम से बालिकाओं को सशक्त बनाना न केवल एक नैतिक दायित्व है बल्कि सामाजिक विकास के लिए एक जरूरी आवश्यकता भी है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि लड़कियों को आगे बढ़ने, सीखने के समान अवसर मिले। तभी हम एक संतुलित, न्यायसंगत और समृद्ध समाज बना सकेगें।

समावेशी विकास की प्राथमिकताएं सुनिश्चित करें

सुरेश सेठ

इन दिनों भारत की संपन्नता के जो आंकड़े देशवासियों के सामने प्रस्तुत हो रहे हैं, वे आशावाद से भरे हुए हैं। हाल ही में आई गोल्डमैन सैक्स की रिपोर्ट बता रही है कि देश में अरबपतियों की संख्या दुनिया में तीसरे नंबर पर है जबकि अमेरिका सर्वाधिक अरबपतियों वाला देश है। यह भी तमाम विषम हालात में भी देश में अरबपतियों की संख्या बढ़ी है। फिर भी 168 अरबपति भारत में हो गए हैं। लेकिन इस संपन्न धरती के निर्धन लोगों को कैसे भूलें? यही रिपोर्ट कहती है कि देश की आधी आबादी ऐसी है जिसकी कमाई 12000 रुपये प्रति माह तक ही है। यह सच है कि पिछले वर्षों में बड़ी कारों और बड़ी कोठियों की बिक्री ने छोटे घरों और छोटी कारों की बिक्री को कहीं पछाड़ दिया है। भारत तेजी से एक साख व्यवस्था हो गया। पिछले वर्ष में क्रैडिट कार्डों का इस्तेमाल उससे पिछले वर्षों के मुकाबले 2.50 गुणा बढ़ गया। लेकिन जहां तक जीवन निर्वाह के लिए जरूरी वस्तुओं कपड़ों, जूतों और अन्य उपभोक्ता सेवाओं की मांग है, वह सोना-चांदी, सम्पदा और अन्य स्थाई वस्तुओं, जिन्हें धनी लोग इस्तेमाल करते हैं, के मुकाबले बहुत कम है। हम बार-बार कहते हैं कि भारत में अन्य देशों की तरह से महामंदी नहीं आएगी लेकिन यहां खतरा पैदा हो गया है कि अगर वंचित और निम्न मध्यवर्ग जो देश की कम से कम आधी आबादी है, अगर उसकी मांग में कमी होती है तो उससे मंदी हमारे जरूरी उद्योगों और खेतीबाड़ी के आर्थिक द्वार पर दस्तक दे सकती है। इसीलिए वित्तमंत्री को भी चाहिए कि आने वाले अंतरिम बजट में कुछ न कुछ कदम ऐसे उठाने पड़ेंगे जिससे इस मुख्य वर्ग की उपभोक्ता मांग में कमी नहीं आएगी और हम मंदी से बचकर निकल जाएंगे। उम्मीद की जा रही है कि इन करोड़ों लोगों के हाथ में उपभोग के लिए कुछ पैसा छोड़ने के वास्ते शायद कर बोझ में कुछ कमी की जाएगी। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि भारत की उपलब्धियां कम हैं। 2014 में भारत दुनिया की आर्थिक शक्तियों में दसवें नंबर पर था लेकिन आज वह पांचवें नंबर तक पहुंच गया है। चुनावी प्रचार के माहौल में घोषणा भी हो रही है कि 2027 तक हम जर्मनी और जापान को पछाड़कर दुनिया की तीसरी बड़ी शक्ति बन जाएंगे। यह निश्चय ही हमारी विकास यात्रा की एक महती उपलब्धि होगी और इसी के लिए भारतीयों को मनोवैज्ञानिक रूप से तैयार करने के लिए देश के कोने-कोने में आजकल विकसित भारत संकल्प यात्रा निकाली जा रही है। हमने इंटरनेट, डिजिटल और कृत्रिम मेधा के क्षेत्र में उम्मीद से अधिक तरक्की की है। हमारा इसरो अंतरिक्ष विजय अभियान में अमेरिका के नासा से 21 है 19 नहीं। सबसे बड़ी बात कि इसरो की उपलब्धियां चाहे चांद विजय की हों या सौर विजय की, अथवा जैसे हम अभी सूर्य की थाह ले रहे हैं, वह बहुत ही किफायतशाली कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त इसरो की गतिविधियों का व्यवसायीकरण भी कर दिया गया है। तीसरी दुनिया के देशों से लेकर छोटे देशों के संचार उपग्रहों का प्रक्षेपण करने का एक बड़ा व्यवसाय भारत के निजी क्षेत्र के सामने खुल गया है। लेकिन यहां कुछ चुनौतियां और भारतीय अर्थव्यवस्था की इस दौड़ में विसंगतियां भी हमें सचेत कर सकती हैं। पहली बात तो यह कि भारत की अर्थव्यवस्था समतावाद के लक्ष्य से कहीं छिटककर विषम व्यवस्था बन गई है। मोटे तौर पर कहा जाता है कि भारत के दस प्रतिशत धनी 90 प्रतिशत सम्पदा पर कब्जा जमाए बैठे हैं और 90 प्रतिशत आबादी 10 प्रतिशत सम्पदा पर गुजारा कर रही है। नई शिक्षा नीति तो बन गई है लेकिन आंकड़ाशास्त्री बताते हैं कि हमारी युवा पीढ़ी एक बड़ी नौजवानों की आबादी दसवीं से पहले ही स्कूल छोड़ जाती है। देश में किसी कारगर रोजगार अथवा निवेश नीति के न होने के कारण बेरोजगारी बढ़ी है। देश के मुख्य धंधे खेती के क्रमशः अलाभकारी होते जाने के कारण इन नौजवानों के सामने देश से पलायन के अतिरिक्त कोई और रास्ता नहीं रह गया है। जरूरत इन प्राथमिकताओं को बदलने की है। देश के विकास और संपन्नता में सभी को साथ लेकर चलने की है। इसी को समावेशी विकास कहा जाता है, जो अकादमिक स्तर पर तो सच है लेकिन यथार्थ के स्तर पर आज भी गरीब आदमी से कोसों दूर है। देश के वंचित वर्ग को दया की नहीं बल्कि रोजगार की गारंटी भी चाहिए। तेजी से डिजिटल होती अर्थव्यवस्था में स्वचालित उत्पादन प्रक्रिया के उत्साह के बावजूद लघु, कुटीर और मध्यम उद्योगों को उनका उचित स्थान देकर ही यह गारंटी दी जा सकती है। इसी गारंटी के साथ ही नौजवानों का स्वाभिमान जुड़ा है, 80 करोड़ लोगों को उदार और रियायती राशन बांट कर नहीं। इसलिए जितनी जल्दी अपने समावेशी विकास में इन प्राथमिकताओं को उनकी सही जगह पर बिठा दिया जाए, उतना ही देश का भला होगा।

विचार मंथन

दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक और पर्यटन केंद्र होगा अयोध्या

(लेखक- सनत जैन)

अयोध्या के भव्य मंदिर में भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हो गई है। 22 जनवरी को भारत में 1 लाख करोड़ का व्यापार 1 दिन में हुआ है। यह अभी तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। सारे देश में राम उत्सव को जिस तरीके से मनाया गया वह अपने आप में गौरवांवित करने वाला है। देश के सभी हिस्सों में करोडों दीपक जलाए गए। करोड़ों झंडे लगाए गए। कई हजार टन मिठाई बंट गई। देश में जगह-जगह पर भंडारे आयोजित किए गए। सभी धर्म स्थलों पर समारोह आयोजित किए गए। लाखों स्थानों पर प्रभात फेरी निकाली गई। भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा के इस अवसर पर लोगों ने खुले मन से बड़े-बड़े आयोजन किये। इसमें बड़े पैमाने पर खर्च भी किया। विदेश में भी प्राण प्रतिष्ठा के इस उत्सव को धूमधाम से मनाया गया। सारी दुनिया में इस तरह का यह पहला धार्मिक समारोह था, जिसमें करोड़ों लोगों ने मिलकर अपनी आस्था और भक्ति प्रकट की। यह माना जा रहा है कि अयोध्या दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक और पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित होगा। इस आयोजन के पश्चात भारत में भगवान राम और अयोध्या को वही दर्जा प्राप्त हुआ है, जो पैगंबर की इबादतगाह मक्का-मदीना और ईसाइयों का धर्म स्थल वेटीकन सिटी को प्राप्त है। अब अयोध्या में भारत के राष्ट्रभक्तों और हिंदूओं के सभी संप्रदाय के लिए अयोध्या को वह स्थान प्राप्त हुआ है। हिंदुओं की आस्था के प्रतीक, अब एकमात्र भगवान राम होंगे। देश और विदेश से बड़ी संख्या में लोग यहां आकर अपनी धार्मिक आस्थाओं के अनुसार भगवान राम के दर्शन करेंगे। जिस तरह से मंदिर निर्माण का काम किया गया है। केंद्र सरकार और राज्य सरकार ने इसे भव्य स्वरूप प्रदान किया है। हवाई जहाज, रेल मार्ग और पर्यटन स्थल के रूप में जो सुविधा जरूरी होती है, वह सब अयोध्या में मुहैया कराई जा रही है। इस कारण अयोध्या अब दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक और पर्यटन स्थल बनने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी दूरदर्शिता का परिचय देते हुए, प्राण प्रतिष्ठा के समारोह में जिस तरह से कारपोरेट जगत के दिग्गजों को शामिल किया है। भारत के दिग्गज खिलाड़ी, फिल्म अभिनेता और अभिनेत्री, सभी धर्म के शीर्ष व्यक्तियों को समारोह में शामिल कराकर, अयोध्या में एक वृहद धार्मिक अनुष्ठान को भव्य स्वरूप दिया है। उसके बाद यह कहा जा सकता है कि भगवान राम की जन्मस्थली अयोध्या अब एक धार्मिक और पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित होने जा रही है। सारी दुनिया के हिंदुओं के लिए अब एक ऐसा तीर्थ स्थल विकसित होने जा रहा है, जैसे तीर्थ स्थल अभी तक मुसलमान और ईसाइयों के थे। सारी दुनिया में हिंदू धर्म की एक नई पहचान देने का काम अयोध्या ने किया है। निश्चित रूप से आने वाले समय में यह सबसे बड़ा धार्मिक और पर्यटन का क्षेत्र बनेगा। अयोध्या तीर्थ स्थल में कम से कम 5 करोड़ पर्यटकों के आने की संभावना है। यह संख्या तिरुपति मंदिर और स्वर्ण मंदिर से अधिक होगी। जिस तरह का आयोजन यहां पर किया गया है। उसके बाद निरंतर यहां पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए हवाई अड्डा, रेलवे स्टेशन, आवासीय योजनाएं, सड़क, होटल, पूजन सामग्री, प्रसाद इत्यादि की व्रहद स्तर पर व्यवस्थाएं की गई हैं। अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में प्रतिवर्ष लगभग 3 करोड़ श्रद्धालु पहुंचते हैं। तिरुपति मंदिर में भी ढाई से 3 करोड़ श्रद्धालु पहुंचते हैं। वेटिकन सिटी जो ईसाइयों का सबसे बड़ा धार्मिक स्थल है यहां पर 90 लाख श्रद्धालु पहुंचते हैं। सऊदी अरब में स्थापित मक्का में लगभग 2 करोड़ मुस्लिम धर्म के अनुयाई मक्का पहुंचते हैं। इस दृष्टि से भारत में अयोध्या का राम मंदिर सबसे ज्यादा श्रद्धालुओं वाला धार्मिक स्थल और सबसे बड़ा पर्यटन स्थल बनने जा रहा है। पिछले दो-तीन महीने से लगातार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिस तरह से अयोध्या का प्रचार-प्रसार हुआ है, यहां पर जो सुविधाएं विकसित की गई हैं, वह राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्याप्त हैं। सरकार भी इसे सबसे बड़े पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने जा रही है। इस कारण अयोध्या अब एक नया आकर्षण का केंद्र बनने जा रहा है। सारी दुनिया में अयोध्या और राम मंदिर की एक नई पहचान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद बनी है। इसमें कोई संदेह नहीं है।

जौमेटो में सोमवार को नहीं हुई नॉन-वेज फूड आइटम्स की डिलिवरी

राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा के चलते सरकार का निर्देश

मुंबई । पॉपुलर फूड डिलीवरी एप जौमेटो की ओर से उत्तर भारत के कई राज्यों में नॉन-वेज फूड आइटम्स की डिलिवरी अस्थाई रूप से बंद कर दी गई। कई शहरों में एप यूजर्स ने माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म एक्स पर इस बारे में लिखकर अपनी परेशानी जाहिर की। इसके बाद जौमेटो ने ऐसा करने की वजह साफ की। हालांकि ये डिलिवरी सिर्फ सोमवार के लिए ही बंद की गई थी। जौमेटो ने बताया कि सरकार की ओर से मिले निर्देशों को ध्यान में रखते हुए यह बदलाव किया गया है। इसके बाद से कयास लग रहे हैं कि अयोध्या में राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा के चलते मोदी सरकार ने ये निर्देश दिए थे। फूड डिलिवरी प्लेटफॉर्म ने लिखा, उत्तर प्रदेश, असम, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में नॉन-वेज आइटम्स की डिलिवरी सरकार से मिले निर्देशों के चलते रोक दी थी। एक यूजर को जवाब देकर एप ने कहा कि उम्मीद है इस जवाब से मदद मिलेगी। दरअसल यूजर ने पूछा था कि वह नॉन-वेज क्यों नहीं ऑर्डर कर पा रहा। नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के हेड वरुण खेरा ने उत्तर प्रदेश के लिए बताया था कि 22 जनवरी को राज्य के सभी रेस्टोरेंज केवल वेज फूड आइटम्स ही सर्व करे।

मात्र 15 सेकेंड्स में हैक कर दिया सवा लाख का आईफोन

-एथिकल हैकर्स ने चकित कर दिया था एप्पल को

नई दिल्ली । सवा लाख रुपए के महंगे आईफोन को महज 15 सेकेंड्स में हैक करना किसी को भी हैरान कर सकता है। हर साल चीन के चेंगदू में तियानफू कप का आयोजन किया जाता है। इसमें वाइट हैट हैकर्स अपनी स्किल्स दिखाते हैं। साल 2021 में भी इस आयोजन में हैकर्स पहुंचे और अपनी स्किल्स का जादू दिखाकर बड़ी-बड़ी टेक्नोलॉजी दिग्गज कंपनियों को सरप्राइज कर दिया है। इसी साल इस कंपीटिशन में एक बड़ा नाम एप्पल का था, जिसे एथिकल हैकर्स ने चकित कर दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उस समय आईओएस 15.0.2 पर चल रहे लेटेस्ट आईफोन 13 प्रोको हैकर्स एक बार नहीं बल्कि दो बार लाइव हैक कर दिखाया। इसमें हैकर्स को सिर्फ 15 सेकेंड का समय लगा। कंपटीशन में शामिल हुई टीमों में से एक कुनलुन लैब थी जो 15 सेकंड से कम समय मेंआईफोन 13 प्रो में सेंध लगाने में सफल रही थी। टीम ने स्मार्टफोन को हैक करने के लिए सफारी ब्राउजर में एक वल्नेरेबिलिटी का फायदा उठाया था। आईफोन 13 प्रो की मौजूदा शुरुआती कीमत 1,19,900 रुपये है। कुनलुन लैब के सीईओ क्यूहो 360 के पूर्व सीटीओ रहे थे। सीईओ ने महज 15 सेकेंड में सबके सामने स्मार्टफोन को लाइव हैक करके दिखाया था। हालांकि, इस हैकिंग के प्रयास से पहले उन्होंने कई हफ्ते की तैयारी भी की थी। इस कंपटीशन में न सर्फि कूनलून लैब ने आईफोन 13 प्रो को हैक किया था। बल्कि एक और पांगू ने आईफोन 13 को भी बेहद कम समय में हैक कर दिखाया था। इसके लिए टीम को 300,000 डॉलर का इनाम भी दिया गया था। आपको बता दें कि बाद में ये हैकर्स संबंधित कंपनियों को अपनी खामियों को दूर करने के लिए तरीके भी बता देते हैं। बता दें कि आईफोन की पहचान दुनियाभर में सबसे सिक्योर फोन्स में होती है। इसकी प्राइवेसी और सिक्योरिटी की वजह से इसे दुनियाभर के सारे बड़े सेलिब्रिटी भी इस्तेमाल करते हैं।

खराबी के चलते टेस्ला ने 4,000 से अधिक वाहन वापस मंगवाए

नई दिल्ली ।

एलन मस्क की वाहन कंपनी टेस्ला ने खराबी के चजते 4 हजार से अे धिक वाहनों को वापस मंगाया है। जानकारी के अनुसार एक सॉफ्टवेयर समस्या के कारण ऑस्ट्रेलिया में 2022 और 2023 के बीच बनाए गए 4,000 से ज्यादा मॉडल 3 और मॉडल वाई वाहनों को वापस मांगा है। बताया जा रहा है कि बुनियादी ढांचे, परिवहन, क्षेत्रीय विकास, संचार और कला विभाग (डीआईटीआरसीए) के अनुसार, 4,382 वाहनों में सॉफ्टवेयर समस्या के कारण ठंडे तापमान में गाड़ी चलाते समय स्टीयरिंग व्हील का उपयोग करना मुश्किल हो सकता है। कंपनी के नो टिस में कहा कि सॉफ़्टवेयर समस्या के कारण, ठंडे तापमान में स्टीयरिंग व्हील में समस्या आ सकती है। हालों कि इस

खराबी के बावजूद, वाहन चलाते समय ड्राइवरों को गंभीर चोट का खतरा नहीं है। हालांकि यह खराबी वाहन के प्रदर्शन को प्रभावित नहीं करेगी। मिली जानकारी के अनुसार प्रभावित वाहनों के मालिकों से कहा कि वे वाहन सॉफ्टवेयर वर्जन का निरीक्षण करने और वर्जन 2023.38 या उसके बाद के वर्जन में फी अपडेट करने के लिए टेस्ला से संपर्क जरूर करें, या अपने वाहन के सॉफ्टवेयर को अपडेट करें। जैसा कि वे आमतौर पर मेन स्क्रीन का उपयोग कर करते हैं। बता दें कि इस महीने की शुरुआत में, टेस्ला ने अपने ऑटोपायलट सिस्टम को ठीक करने के लिए चीन में 1.6 मिलियन वाहनों को वापस बुलाया, जो देश में अब तक का सबसे बड़ा रिकॉल बताया जा रहा है।

ग्रो एप का सर्वर डाउन...कई यूजर्स ने कहा नुकसान की भरपाई कौन करेगा

मुंबई ।

ऑनलाइन वित्तीय सर्विस प्लेटफॉर्म ग्रो मंगलवार को ठीक से काम नहीं कर रही है। यूजर्स को मंगलवार सुबह से एप में लॉगिन करने में समस्या आ रही है। कई यूजर्स ने एक्स पर अपनी नाराजगी जाहिर कर तमाम ट्वीट किए। यूजर ने कहा, सुबह से ही मेरा ग्रो एप नहीं खुल रहा। मेरा ओपन पोजिशन खत्म होने वाला है। मेरे नुकसान की भरपाई कौन करेगा? दूसरे यूजर ने ग्रो, एनएसई और बीएसई को एके स पर टैग करते हुए लिखा कि 30 मिनट से कुछ गलत चल रहा है, ये क्या है? मैं ट्रेड नहीं कर सकता। मेरे नुकसान की भरपाई कौन करेगा? एक अन्य के यूजर ने ट्वीट किया कि ग्रो एप और उसकी वेबसाइट सुबह से काम नहीं कर रही है। कई बार प्रयास कर चुका हूं, वेबसाइट भी ट्राई कर के देख लिया। ग्रो ऐप भी काम नहीं कर रहा। ऐसा लगता है कि उनका प्रोडक्शन सर्वर डाउन है। कृपया जल्द ठीक करवाएं। एक अन्य ग्रो यूजर ने शिकायत की कि पिछले 2 घंटे से ग्रो एप डाउन है। इस कारण हमारे जो पैसे डूबे हैं, उसके लिए कौन जिम्मेदार है? इस यूजर ने बाजार नियामक सेबी से भी गुहार लगाई है कि इन वजहों से निवेशकों को जो नुकसान होता है उसके लिए कदम उठाए जाएं।

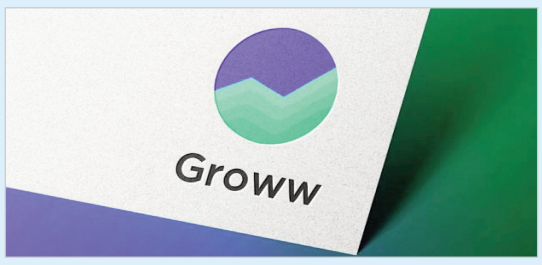

रूस, हुक, सिक्कों पर इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ी, मोदी सरकार का आदेश

नई दिल्ली । सोना और चांदी खरीदने वालों के लिए एक बड़ी खबर आई है। मोदी सरकार की ओर से जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक, स्क्रू, हुक, सिक्कों पर इंपोर्ट ड्यूटी 12.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया है। भारत में गोल्ड और सिल्वर पर फिलहाल कुल इंपोर्ट ड्यूटी 15 फीसदी (10 फीसदी बेसिक कस्टम ड्यूटी +5 फीसदी एग्रीकल्चर इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपमेंट सेस है। नई दरें 22 जनवरी, 2024 से प्रभावी हो गई हैं। इस परिवर्तन का उद्देश्य आयात को विनियमित करना और घरेलू अर्थव्यवस्था का समर्थन करना है। वहीं, जीजेईपीसी सोना-चांदी पर आयात शुल्क को मौजूदा 15 फीसदी से घटाकर 4 फीसदी करने की मांग कर रही है। वहीं, अंतरिम बजट 2024 में कटे और पॉलिश किए गए हीरों पर सीमा शुल्क को मौजूदा 5 फीसदी से घटाकर 2.5 फीसदी करने की मांग की गई है। दरअसल काउंसिल ऐसा चाहती है ताकि सेक्टर को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बने रहने में मदद मिल सके। भारत की डायमंड और गोल्ड इंडस्ट्री सोना, हीरे, चांदी और रंगीन रत्नों समेत कच्चे माल के लिए आयात पर निर्भर है।

शेयर बाजार भारी गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 1053, निफ्टी 333 अंक टूटा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बिकवाली हावी होने से बाजार टूटा है। कारोबार के दौरान एचडीएफसी बैंक का शेयर लगातार नीचे आया। वहीं जी इंटरटेनमैंट का शेयर तकरीबन 30 फीसदी गिरा। इन दोनों शेयरों में बिकवाली से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला पर से सिलसिला अधिक देर तक नहीं चल पाया और बाजार नीचे आने लगा। अंत में तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1053.10 अंक तकरीबन 1.47 फीसदी नीचे आकर 70,370.55 अंक पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी ऊपर आया और यह 1.54 फीसदी तकरीबन 333 अंक टूटकर 21,238.80 पर बंद हुआ।सेंसेक्स की कंपनियों में सनफार्मा का शेयर सबसे अधिक 3.67 फीसदी ऊपर आया। इसके अलावा भारती एयरटेल, आईसीआईसी बैंक, पावरग्रिड टीसीएस और बजाज फिनसर्व के शेयरों में बढ़त रही

वहीं बैकिंग शेयरों में आज जमकर गिरावट रही। इंडसइंड बैंक का शेयर 6.13 फीसदी नीचे आया। इसके साथ ही स्टेट बैंक एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, इन्फोसिस, रिलायंस समेत 24 कंपनियों के शेयरों में गिरावट रही। जानकारों के अनुसार ये गिरावट विदेशी निवेशकों की बिकवाली और वाले दिग्गज शेयरों के नीचे आने से आई है। एचडीएफसी बैंक के शेयर मंगलवार को इंट्रा-डे कारोबार में बीएसई पर

करीब 4 फीसदी नीचे आकर सबसे निचले स्तर 1,425.05 रुपये पर पहुंच गए। एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले एक सप्ताह में एचडीएफसी बैंक के मार्केट कैप में 15 फीसदी की गिरावट आई है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की अगुवाई में तेज बिकवाली के कारण एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकर 1.9 ट्रिलियन रुपये कम हो गया है। इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुला। दुनिया भर के बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच ही लिवाली (खरीदारी) से ये उछाल आया है। इसके अलावा दिसंबर तिमाही के अच्छे परिणामों के साथ ही आईसीआईसीआई बैंक सहित कई अन्य शेयरों में खरीदारी से भी बाजार ऊपर आया। शुरुआती कारोबार में तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 593 अंक करीब 0.83 फीसदी ऊपर आकर 72,017 के स्तर पर पहुंच गया जबकि पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 170 अंक तकरीबन 0.79 फीसदी उछलकर 21,741 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। कारोबार के दौरान आईसीआईसीआई बैंक, एनटीपीसी, भारती एयरटेल, पावर ग्रिड, टीसीएस, एचसीएल टेक, आरआईएल, बजाज फिनसर्व और टेक एम के शेयर 3.5 फीसदी तक बढ़े। वहीं व्यापक बाजारों में, बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक 0.8 फीसदी तक उछले। इसके अलावा इंट्राडे कारोबार में मिडकैप इंडेक्स 38,647 के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा।

नेशनल पेंशन प्रणाली को बेहतर बनने की घोषणा कर सकती मोदी सरकार

नई दिल्ली ।

नेशनल पेंशन प्रणाली (एनपीएस) को मोदी सरकार और भी आकर्षक बनाने की कवायद इस बार के बजट में कर सकती है। माना जा रहा है कि मोदी सरकार इस लेकर कई घोषणाएं भी कर सकती है। इसमें मोदी सरकार 75 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए योगदान तथा निकासी पर कर रियायतें बढ़ाने की बात कर सकती है। पेंशन फंड नियामक पीएफआरडीए ने नियोक्ताओं द्वारा योगदान के लिए टैक्सेशन के मोर्चे पर कर्मचारी भविष्य निधि कार्यालय (ईपीएफओ) में समानता का अनुरोध किया है। इस संबंध में कुछ घोषणाएं अंतरिम बजट में किए जाने की उम्मीद है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को अंतरिम बजट पेश करेंगी। यह उनका छठा बजट होगा। वर्तमान में कर्मचारियों के लिए फंड निर्माण में नियोक्ताओं के योगदान में असमानता है, जिसमें कॉर्पोरेट द्वारा मूल वेतन और महंगाई भत्ते के 10 प्रतिशत तक के योगदान को एनपीएस योगदान के लिए कर से छूट दी गई है, जबकि ईपीएफओ के मामले में यह 12 प्रतिशत है। डेलॉयट की बजट उम्मीदों के मुताबिक, एनपीएस के माध्यम से लंबे समय की बचत को बढ़ावा देने और 75 वर्ष से ज्यादा उम्र के सीनियर सिटीजन के लिए टैक्स के बोझ को कम करने के लिए एनपीएस के सालाना हिस्से को 75 वर्ष की आयु से धारकों के लिए टैक्स फ्री किया जाना चाहिए।

रिपोर्ट के मुताबिक, एनपीएस को ब्याज और पेंशन के साथ शामिल किया जा सकता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि 75 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों को एनपीएस से हासिल आय पर रिटर्न दाखिल न करना पड़े। वर्तमान में 60 प्रतिशत की एकमुश्त निकासी टैक्स फ्री है। नई टैक्स व्यवस्था के तहत एनपीएस योगदान के लिए कर छूट प्रदान करने की भी मांग उठ रही है। अभी धारा 80सीसीडी (1बी) के तहत एनपीएस में किसी व्यक्ति के 50,000 रुपए तक के योगदान पर पुरानी कर व्यवस्था के तहत कटौती होती है, लेकिन नई कर व्यवस्था के तहत नहीं।

यह पुरानी टैक्स व्यवस्था में धारा 80सी के तहत मिलने वाली 1.5 लाख रुपये की कर राहत से अधिक है।

हैदराबाद की महिला को मिली 2.55 करोड़ की लोटस इलेट्रे की डिलेवरी

हैदराबाद। लग्जरी ब्रिटिश स्पोर्ट्स कार कंपनी लोटस ने इलेट्रे इलेक्ट्रिक कार के साथ पिछले साल भारत में प्रवेश किया था। इसकी शुरुआती कीमत 2.55 करोड़ रुपए एक्स शोरुम के मालिक को मुनाफा हुआ है। यह गाड़ी तीन वेरिएंट- लोटस इलेट्रे, लोटस इलेट्रे एस और लोटस इलेट्रे आर में उपलब्ध है। वहीं लोटस इलेट्रे एस की कीमत 2.75 करोड़ रुपए और लोटस इलेट्रे आर की कीमत 2.99 करोड़ रुपए एक्स शोरुम है। रिपोर्ट के अनुसार, हैदराबाद की एक महिला ने लोटस इलेट्रे की पहली डिलीवरी ली है। कार के साथ महिला की तस्वीरें भी सामने आई हैं। इस इलेक्ट्रिक कार में वायरलेस स्मार्टफोन चार्जिंग, सीट एडजस्ट की सुविधा, 4-जोन ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, 15.1-इंच का फ्लोटिंग इंफोटेनमेंट टचस्क्रीन, डिजिटल ड्राइवर का डिस्प्ले और यात्रियों के लिए तीसरा डिस्प्ले मिलता है। यह डिस्पले एप्पल कार प्ले और एंड्रॉयड ऑटो को सपोर्ट करता है। इस कार में लेवल-2 एडीएएस तकनीक भी दी गई है। लोटस इलेट्रे में 2 पावरट्रेन दिए गए है और तीनों वेरिएंट में ड्यूल मोटर सेटअप के साथ समान 12किलोवाटप्रतिघंटा क्षमता का बैटरी पैक मिलता है। इलेक्ट्रिक कार की बैटरी एक बार चार्ज करने पर 600 किलोमीटर की रेंज देती है। यह 4.5 सेकेंड में 0-100 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ सकती है। इसकी टॉप स्पीड 258 किमी/घंटा है।

जी का सोनी के साथ विलय प्रस्ताव रद्द होने से शेयर मूल्यांकन घटेगा

नई दिल्ली ।

जी एंटरटेनमेंट का सोनी के साथ प्रस्तावित विलय रद्द होने से शेयर मूल्यांकन घट जाएगा। बता दें कि आवश्यक नियामक और शेयरधारक अनुमोदन के बाद जी एंटरटेनमेंट (जी) का सोनी के साथ प्रस्तावित विलय रद्द कर दिया गया है। विदेशी ब्रोकरेज सीएलएसए ने एक रिपोर्ट में कहा कि विलय रद्द होने के साथ जी का मूल्यांकन विलय की घोषणा से पहले देखे गए 12गुणा पीई स्तर अगस्त-21 तक घट जाएगा। पिछले दिनों प्रमोटर शेयर गिरवी संकट (2019 में) और व्यापार नकदी रूपांतरण में गिरावट के दौरान स्टॉक की रेटिंग कम हो गई थी। सीएलएसए ने कहा, हम 12 गुणा 1 वर्ष एफडब्ल्यूडी पीई के आधार पर 198 रुपये (300 रुपये थे) के संशोधित टीपी पर खरीद से बेचने तक का काम करते हैं।

इसके अलावा, रिलायंस और डिज्नी स्टार के कथित विलय के साथ प्रतिस्पर्धा तेज होनी चाहिए। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) सहित आवश्यक विनियामक अनुमोदन और जी के 99 प्रतिशत शेयरधारकों की मंजूरी के बाद सोनी के साथ जी के प्रस्तावित विलय को रद्द कर दिया गया है।

जी के विलय खत्म करने के लिए सोनी ने कथित उल्लंघनों पर 90 मिलियन डॉलर की समाप्ति शुल्क की मांग की है और यहां तक कि जी के खिलाफ मध्यस्थता का आह्वान भी कर रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जी सोनी के उल्लंघन के दावों से इनकार कर रहा है और जी के सीईओ, पुनीत गोयनका विलय के हित में पद छोड़ने के लिए सहमत थे। इसके चलते अब जी के स्टॉक मूल्यांकन में गिरावट की संभावना लग रही है।

उनका कहना है कि जी-सोनी विलय खत्म होने के साथ हमारा मानना है कि जी का पीई 12 गुना के स्तर पर वापस आ जाएगा, जैसा कि सोनी विलय की घोषणा (21 अगस्त) से पहले देखा गया था।

सीसीआई मल्टीनैशनल कंपनियों को राहत देने जुर्माना राशि में करेगा संतुलन

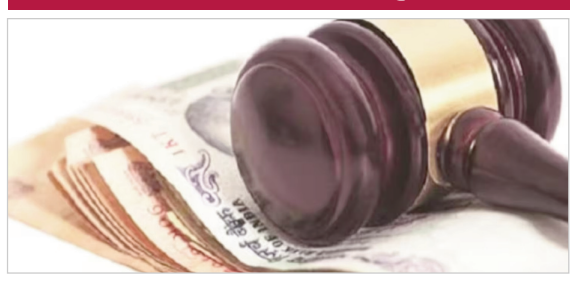

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) बहुराष्ट्रीय कंपनियों को जुर्माने से राहत देने वाला है। अब सीसीआई उनकी गैर-प्रतिस्पर्धी प्रथाओं के लिए उनके वैश्विक कुल कारोबार के आधार पर सीधे तौर पर जुर्माना संभवत- नहीं लगाएगा। मगर वह प्रस्तावित दिशानिर्देशों के तहत कुछ खास परिस्थितियां आने पर जुर्माना लगा सकता है। इसके तहत जुर्माने की रकम उनके वैश्विक कुल कारोबार के स्तर तक बढ़ सकती है। इस मामले से अवगत एक व्यक्ति ने कहा कि 'सीसीआई संतुलन स्थापित करने की कोशिश कर रहा है। भारतीय उद्योग जगत को नुकसान नहीं होना चाहिए, मगर प्रतिरोध भी दिखना चाहिए। इस संशोधन को बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों पर लक्ष्य करते हुए लाया गया था।' मामले के जानकारों के अनुसार, जुर्माने की बुनियादी रकम की गणना कंपनी के संबंधित कुल कारोबार के आधार पर की जाएगी जो घरेलू बाजार में उसका कुल कारोबार है।

दरअसल पिछले साल मार्च में लोकसभा में पारित भारतीय प्रतिस्पर्धा संशोधन अधिनियम की धारा 20 के तहत प्रतिस्पर्धा आयोग को शक्ति दी गई है कि अगर उसे उचित लगे तो वह इस प्रकार का जुर्माना लगा सकता है। मगर जुर्माने की रकम कंपनी के औसत कुल कारोबार अथवा आय का 10 फीसदी से अधिक नहीं होना चाहिए। नए कानून के तहत कुल कारोबार को किसी व्यक्ति या उद्यम को उसके सभी उत्पाद एवं सेवाओं से प्राप्त वैश्विक कुल कारोबार के रूप में परिभाषित किया गया है। उम्मीद की जा रही है कि इससे बाजार में प्रतिस्पर्धा को कम करने वाली परिस्थितियों की एक सूची बनेगी। उसी आधार पर कंपनी के वैश्विक कारोबार पर जुर्माने की रकम निर्धारित होगी।

भारतीय स्टॉक मार्केट ने हांगकांग को पीछे छोड़ा, बना दुनिया का चौथा सबसे बड़ा शेयर बाजार

नई दिल्ली।

हांगकांग के शेयर बाजार को पीछे छोड़ भारत का स्टॉक मार्केट दुनिया का चौथा सबसे बड़ा शेयर बाजार बन गया है। यहां पर विकास की संभावनाओं और नीतिगत सुधारों ने भारतीय शेयर बाजार को निवेशकों के लिए बेहतर बना दिया है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार भारतीय एक्सचेंजों पर लिस्टेड शेयरों का कुल वेल्यू मूल्य सोमवार को बंद होने तक 4.33 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जबकि हांगकांग का कुल वेल्यू 4.29 ट्रिलियन डॉलर था। इसी के साथ भारतीय शेयर बाजार वैश्विक स्तर पर चौथा सबसे बड़ा इक्विटी बाजार बन गया है। बता दें कि घरेलू स्टॉक मार्केट का शेयर मार्केट कैप 5 दिसंबर, 2023 को पहली बार 4 ट्रिलियन डॉलर को पार पहुंच गया था। इसमें से से लगभग आधी या 2 ट्रिलियन डॉलर का मार्केट कैप पिछले चार वर्षों में बढ़ा है। तेजी से बढ़ते रिटेल निवेशकों के आधार और मजबूत कॉर्पोरेट इनकम के कारण भारतीय इक्विटी बाजार भी तेजी से बढ़ रहा है। भारत ने दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश चीन के विकल्प के रूप में खुद को मजबूत किया है। वही वैश्विक निवेशकों और कंपनियों से नई कैपिटल को आकर्षित कर रहा है। इसका श्रेय भारत की स्थिर राजनीतिक व्यवस्था और उपभोग संचालित अर्थव्यवस्था को जाता है। एक तरफ जहां भारतीय शेयरों में लगातार तेजी आ रही है, वहीं दूसरी तरफ हांगकांग की स्टॉक मार्केट में ऐतिहासिक गिरावट देखी जा रही है। गौरतलब है कि चीन के कोविड-19 को लेकर कड़े प्रतिबंध, कंपनियों पर रेगुलेटरी बॉडीज की कार्रवाई, संपत्ति क्षेत्र में संकट और पश्चिम के साथ भू-राजनीतिक तनाव ने मिलकर चीन की रुतबे को खत्म कर दिया है। यदि देखा जाए तो चीन और हांगकांग के शेयरों का टोटल मार्केट वेल्यू 2021 में अपने पिक लेवल के बाद से 6 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा लुढ़क चुका है। हांगकांग के शेयर बाजार में नई कंपनियों लिस्टिंग खत्म हो गई है। एशिया का फाइनेंशियल हब कहे जाने वाले बाजार आईपीओ के लिए दुनिया के सबसे व्यस्त बाजारों में से एक ने अपनी स्थिति को भी खत्म कर दिया है। जबे कि विदेशी फंडों ने 2023 में भारतीय शेयरों में 21 अरब डॉलर से ज्यादा का निवेश किया, जिससे देश के बेंचमार्क एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स इंडेक्स को लगातार आठवें साल बढ़त हासिल करने में मदद मिली।

पेट्रोल नोएडा में 27 पैसे, तो पटना में 88 पैसे हुआ सस्ता

नई दिल्ली ।

पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में आज गिरावट देखी गई है, वही वजह है कि नोएडा में पेट्रोल 27 पैसे, तो पटना में 88 पैसे सस्ता हुआ है। हालांकि कच्चे तेल की कीमतों में बीते 24 घंटे के दौरान करीब 2 डॉलर का उछाल आया है। बावजूद इसके मंगलवार सुबह सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में आज कमी आई है। यूपी, बिहार सहित देश के कई राज्यों में तेल की खुदरा कीमतें कम हुई हैं। हालांकि दिल्ली-मुंबई जैसे देश के महानगरों में आज भी तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार, नोएडा में पेट्रोल 27 पैसे गिरकर 96.65 रुपये लीटर बिक रहा है तो डीजल 26 पैसे सस्ता होकर 89.82 रुपये लीटर हो गया है। यूपी की राजधानी लखनऊ में आज थोड़ा महंगा हुआ और पेट्रोल 4 पैसे बढ़कर 96.47 रुपये लीटर तो डीजल 3 पैसे चढ़कर 89।66 रुपये लीटर बिक रहा है। बिहार की राजधानी पटना में आज सुबह पेट्रोल 88 पैसे सस्ता होकर 107.24 रुपये लीटर पहुंच गया है, जबकि डीजल 82 पैसे की गिरावट के साथ 94.04 रुपये प्रे ति लीटर बिक रहा है। इधर ग्लोबल मार्केट में सोमवार सुबह कच्चे तेल की कीमतों में भी भारी उछाल दिखा। ब्रेंट क्रूड का भाव चढ़कर 80.06 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई के रेट भी आज सुबह बढ़त दिखी और यह 75.19 डॉलर प्रति बैरल के भाव पहुंच गया। इस समय पेट्रोल-डीजल के दाम की बता करें तो दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

आईसीसी की 2023 की सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय पुरुष क्रिकेट टीम के कप्तान बने रोहित

दुबई (एजेंसी)। मंगलवार को रोहित शर्मा को आईसीसी की साल की सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय टीम का कप्तान चुना गया जिसमें स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और मोहम्मद शमी तथा मोहम्मद सिराज की तेज गेंदबाजी जोड़ी के अलावा दो और भारतीयों को जगह मिली है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के बयान के अनुसार टीम में जगह बनाने वाले अधिकतर खिलाड़ी फाइनल में पहुंचे भारत (उप विजेता) और ऑस्ट्रेलिया (विजेता) के अलावा सेमीफाइनल में जगह बनाने वाले न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका से हैं। पारी का आगाज करने का मौका रोहित और शुभमन गिल को दिया गया है। भारतीय कप्तान ने पिछले साल एकदिवसीय प्रारूप में 52 के औसत से 1255 रन बनाए। गिल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 208 रन की पारी खेली और 1584 रन के साथ इस प्रारूप में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। तीसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड को जगह मिली है जिन्होंने पिछले साल लगातार अच्छा प्रदर्शन किया और भारत के खिलाफ फाइनल में 137 रन की पारी खेली।

मध्य क्रम में कोहली, न्यूजीलैंड के डेरिल मिशेल के अलावा दक्षिण अफ्रीका के हेनरिक क्लासेन और मार्को यानसेन शामिल हैं। कोहली एकदिवसीय प्रारूप में 1337 रन बनाकर दूसरे सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। उन्होंने पिछले साल छह शतक लगाए। उन्होंने एकदिवसीय प्रारूप में सर्वाधिक शतक के सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड को तोड़ा और विश्व कप के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए। मिशेल ने पांच शतक की मदद से 52.34 के औसत और 100.24 के स्ट्राइक रेट से 1204 रन बनाए। क्लासेन ने भी पूरे साल बल्ले से दबदबा बनाया। उन्होंने सेंचुरियन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 174 रन की मैच विजयी पारी भी खेली।

गेंदबाजी आक्रमण में सिराज, शमी और कुलदीप यादव की भारतीय तिकड़ी के अलावा ऑस्ट्रेलिया के एडम जंपा को जगह मिली है। जंपा ने 26.31 के औसत से 38 विकेट चटकाए और विश्व कप के लगातार तीन मुकाबलों में चार विकेट चटकाए। वह प्रतियोगिता में सर्वाधिक विकेट चटकाने वाले गेंदबाजों की सूची में दूसरे नंबर पर रहे। सिराज ने पिछले साल 44 विकेट चटकाए जिसमें श्रीलंका के खिलाफ एशिया कप फाइनल में 21 रन देकर छह विकेट भी शामिल रहे। भारत ने एशिया कप फाइनल में श्रीलंका पर एकतरफा जीत दर्ज की। कुलदीप ने पिछले साल 49 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय विकेट हासिल किए।

पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप के सुपर चार चरण में 25 रन देकर पांच विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। शमी ने पूरे साल शानदार प्रदर्शन करते हुए चार बार पारी में पांच या इससे अधिक विकेट चटकाए। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन मुंबई में विश्व कप सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 57 रन पर सात विकेट रहा। किसी भी भारतीय खिलाड़ी को आईसीसी की साल की सर्वश्रेष्ठ महिला एकदिवसीय टीम में जगह नहीं मिली।

जोकोविच 11वीं बार आस्ट्रेलियाई ओपन सेमीफाइनल में पहुंचे

मेलबर्न (एजेंसी)। नोवाक जोकोविच ने टेलर फ्रिट्ज को करीब चार घंटे तक चले मैराथन मुकाबले में हराकर 11वीं बार आस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। जोकोविच ने यह मुकाबला 7.6, 4.6, 6.2, 6.3 से जीता। वह जितनी बार भी यहां क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, उतनी बार अपराजेय रहे।

24 बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन ने मेलबर्न पार्क पर सभी दस सेमीफाइनल और फाइनल जीते हैं। वह 48वीं बार ग्रैंडस्लैम सेमीफाइनल में पहुंचे हैं जहां उनका सामना चौथी वरीयता प्राप्त यानिक सिनेर या पांचवीं वरीयता प्राप्त आंद्रेइ रूबलेव से होगा। जोकोविच ने अब तक एक को छोड़कर सभी मुकाबलों में फिट्ज को सीधे सेटों में हराया था। आस्ट्रेलिया में 2021 में मुकाबला पांच सेटों तक खिंचा था। महिला वर्ग में कोको गाफ ने यूक्रेन की मार्ता कोस्त्युक को 7.6, 6.7, 6.2 से मात दी। अब उनका सामना गत चैम्पियन एरिना सबालेंका या बारबरा क्रेइसिकोवा से होगा।

एकदिवसीय विश्वकप में टीम के खराब प्रदर्शन के लिए अशरफ जिम्मेदार: इंजमाम

मुम्बई (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट में विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब पूर्व कप्तान इंजमाम-उल-हक ने कहा है कि गत वर्ष हुए एकदिवसीय विश्वकप में टीम के खराब प्रदर्शन के लिए उस समय पीसीबी प्रमुख रहे जका अशरफ जिम्मेदार हैं। पाक टीम की हार के बाद मुख्य कोच और चयन समिति के अध्यक्ष रहे इंजमाम के अलावा टीम के कप्तान बाबर आजम ने भी इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद अशरफ को भी अध्यक्ष पद से इस्तीफा देना पड़ा। वहीं इससे पहले अशरफ ने कहा कि विश्व कप टीम का चयन कप्तान और मुख्य चयनकर्ता ने किया था और बोर्ड का उसमें कोई दखल नहीं था। इसलिए इस मामले में उनकी कोई जिम्मेदारी नहीं बनती। विश्वकप में पाक टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और वह अंक तालिका में पांचवें स्थान पर रही और नॉकआउट के लिए क्वालीफाई नहीं कर पायी।

इंजमाम ने कहा, क्या आप खिलाड़ियों की मानसिकता की कल्पना कर सकते हैं जब विश्व कप जैसे शीर्ष आयोजन के दौरान वे सुनते हैं कि पीसीबी अध्यक्ष कह रहे हैं कि टीम का चयन बोर्ड द्वारा नहीं बल्कि कप्तान और मुख्य चयनकर्ता द्वारा किया गया था। उन्होंने कहा, इससे खिलाड़ियों के दिमाग में क्या चल रहा होगा जब उन्होंने सुना कि मुख्य चयनकर्ता के खिलाफ भी एक जांच समिति बनाई गई है और उन्होंने इस्तीफा दे दिया है। मैं अभी भी अपने खिलाफ उस जांच समिति की उस रिपोर्ट का इंतजार कर रहा हूं जो यह जांच करने के लिए बनाई गई थी कि मुख्य चयनकर्ता रहते हुए मैंने हितों का टकराव किया था या नहीं।

महिला प्रीमियर लीग 2024 का पूरा शेड्यूल आया सामने, 23 फरवरी से शुरू होगा टूर्नामेंट

डरबन (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग 2024 का पूरा शेड्यूल सामने आ गया है जिसमें पिछले साल की चैंपियन मुंबई इंडियंस बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में शुरुआती मैच में दिल्ली कैपिटल्स से भिड़ेगी। डब्ल्यूपीएल का 2024 सीजन 23 फरवरी से शुरू होने वाला है जिसका फाइनल 17 मार्च को नई दिल्ली में खेला जाएगा।

इस साल महिला प्रीमियर लीग में कुल 22 मैच होंगे। फाइनल मैच 17 मार्च को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा। सभी मैच शाम 7:30 बजे शुरू होंगे। एलिमिनेटर 15 मार्च को खेला जाएगा। पिछले सीजन की तरह डब्ल्यूपीएल में कोई होम-अवे प्रारूप नहीं होगा। हालांकि आगामी सीजन में टूर्नामेंट दो शहरों, दिल्ली और बेंगलुरु में खेला जाएगा।

डब्ल्यूपीएल का 2024 सीजन पिछले साल के समान प्रारूप का पालन करेगा जिसमें लीग चरण में शीर्ष तीन टीमें प्लेऑफ़ के लिए क्वालीफाई करेंगी। लीग तालिका में शीर्ष पर रहने वाली टीम सीधे फाइनल के लिए क्वालीफाई करेगी जबकि दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमें 15 मार्च को एलिमिनेटर खेलेंगी। पिछले साल भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व में मुंबई इंडियंस ने

डब्ल्यूपीएल के उद्घाटन सत्र में दिल्ली कैपिटल्स को 7 विकेट से हराकर चैंपियन का खिताब जीता था। डीसी कप्तान मेग लैनिंग 345 रन बनाकर टूर्नामेंट के अग्रणी रन-स्कोरर रहीं जबकि एमआई की हेले मैथ्यूज ने 10 मैचों में 16 विकेट लेकर पर्पल कैप जीती।

डब्ल्यूपीएल 2024 का पूरा कार्यक्रम इस प्रकार है

23 फरवरी- मुंबई इंडियंस बनाम दिल्ली कैपिटल्स, बेंगलुरु
24 फरवरी- रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर बनाम यूपी वॉरियर्स, बेंगलुरु
25 फरवरी- गुजरात जायंट्स बनाम मुंबई इंडियंस, बेंगलुरु
26 फरवरी - यूपी वॉरियर्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स, बेंगलुरु
27 फरवरी - रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर बनाम गुजरात जायंट्स, बेंगलुरु
28 फरवरी - मुंबई इंडियंस बनाम यूपी वॉरियर्स, बेंगलुरु
29 फरवरी - रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर बनाम दिल्ली कैपिटल्स, बेंगलुरु
1 मार्च - यूपी वॉरियर्स बनाम गुजरात जायंट्स, बेंगलुरु
2 मार्च - रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर बनाम मुंबई इंडियंस, बेंगलुरु
3 मार्च - गुजरात जायंट्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स, बेंगलुरु
4 मार्च - यूपी वॉरियर्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर, बेंगलुरु
5 मार्च - दिल्ली कैपिटल्स बनाम मुंबई इंडियंस, दिल्ली
6 मार्च - गुजरात जायंट्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर, दिल्ली
7 मार्च - यूपी वॉरियर्स बनाम मुंबई इंडियंस, दिल्ली
8 मार्च - दिल्ली कैपिटल्स बनाम यूपी वॉरियर्स, दिल्ली
9 मार्च- मुंबई इंडियंस बनाम गुजरात जाइंट्स, दिल्ली
10 मार्च - दिल्ली कैपिटल्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर, दिल्ली
11 मार्च - गुजरात जायंट्स बनाम यूपी वॉरियर्स, दिल्ली
12 मार्च - मुंबई इंडियंस बनाम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर, दिल्ली
13 मार्च - दिल्ली कैपिटल्स बनाम गुजरात जाइंट्स, दिल्ली
15 मार्च - दिल्ली में एलिमिनेटर
17 मार्च - दिल्ली में फाइनल (अरुण जेटली स्टेडियम)

खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2023 : सपना ने जूडो में जीता गोल्ड मेडल, पिता करते हैं वेल्डर का काम

नई दिल्ली। तमिलनाडु के चेन्नई में चल रहे खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2023 में सपना जूडो खेलते हुए अपने सपनों को साकार कर रही। इस प्रतियोगिता में सपना ने दूसरा गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रच दिया है। उन्होंने सोमवार यानी 22 जनवरी को ये मेडल जुडो अंडर-40 किलोग्राम वर्ग में जीता। बता दें कि सपना अभी 12वीं क्लास में पढ़ रही हैं। उनकी बचपन से ही मेडल जीतने में रुचि रही है। योग से शुरु हुआ सफर जुडो तक पहुंचा। यहां तक कि सपना ने कोविड के दौरान भी ट्रेनिंग करना नहीं छोड़ा था। सपना का सफर योग से शुरू हुआ, पांच साल पहले उन्हें कुछ दोस्तों ने जुडो में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। सपना के नाम अब 12 मेडल है, बता दें कि सपना के पिता एक वेल्डर हैं जबकि मां एक हाउसवाइफ हैं। सपना का कहना है कि वो मेडल के लिए पागल थी, चाहे खेल कोई भी हो। सपना ने कहा कि, मैं केवल मेडल जीतना चाहती थी, पास के स्कूल में मैंने कुछ बच्चों को योगा करते देखा और मैं भी उनके साथ शामिल हो गई। लेकिन कुछ दिनों बाद मेरी वहां कुछ अन्य बच्चों से दोस्ती हो गई और उन्हें जूडो की ट्रेनिंग लेते हुए देखा। मुझे ये खेल तुरंत पसंद आया और मैंने इसे जारी रखने का फैसला किया और इस तरह सफर शुरू हुआ।

राहुल इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में विकेटकीपिंग नहीं करेंगे : द्रविड़

हैदराबाद। बल्लेबाज केएल राहुल को इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी नहीं मिलेगी। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा है कि राहुल इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में विकेटकीपिंग नहीं करेंगे। भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज गुरुवार से हैदराबाद में शुरू हो रही है।

द्रविड ने कहा कि इसका कारण ये है कि टीम में दो अच्छे विकेटकीपर रखे गये हैं। इस सीरीज में केएस भरत और ध्रुव जुरेल को विकेटकीपर के तौर पर टीम में जगह दी गयी है। द्रविड़ ने कहा, राहुल सीरीज में विकेटकीपर के रूप में नहीं खेलेंगे। हमने टीम चयन में ही ये साफ कर दिया था। हमने दो अन्य लोगों को विकेटीपर के तौर पर रखा था। राहुल ने दक्षिण अफ्रीका में अपना काम काफी अच्छी प्रकार से किया था और उस सीरीज को ड्रा कराने में अहम भूमिका निभाई थी पर पांच टेस्ट मैचों की लंबी सीरीज को देखते हुए उन्हें विकेटकीपिंग से आराम देते हुए दो अन्य विकेकीपरों को ये जिम्मेदारी दी गयी है। भारतीय टीम पहले टेस्ट में अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के बिना उतरेगा। विराट ने निजी कारणों से इस टेस्ट से अपना नाम वापस लिया था। टीम की कप्तान रोहित शर्मा करेंगे। वहीं जसप्रीत बुमराह उप-कप्तान की भूमिका में रहेंगे। 16 सदस्यीय भारतीय टीम में अवेश खान, मोहम्मद सिराज और मुकेश कुमार भी शामिल रहेंगे।

इंग्लैंड बनाम पहले दो टेस्ट के लिए भारतीय टीम - रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जयसवाल, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), केएस भरत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जड़ेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मो. सिराज, मुकेश कुमार, जसप्रित बुमरा (वीसी) और अवेश खान।

एक जैसी गलतियां दोहराने के कारण हारी भारतीय महिला हॉकी टीम

टोक्यो (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम के क्वालीफाई नहीं कर पाने के बाद जहां खिलाड़ियों में निराश है। वहीं इससे ये भी साफ हो गया है कि टीम अपनी गलतियों को अबतक टीम नहीं कर पायी है। टीम पैनाल्टी कार्नर को गोल में बदलने में असफल रहने के साथ ही बार बार एक सी गलतियों को करती दिखी। इसके अलावा उसके प्रदर्शन में निरंतरता की कमी भी नजर आयी। वहीं टीम के मुख्य कोच यानेके शॉपमैन को हटाया जाना भी अब तय है। हॉकी इंडिया ने हालांकि अभी किसी बदलाव से इंकार किया है। पिछले दो ओलंपिक खेल चुकी भारतीय महिला हॉकी टीम तीन दशक की मेहनत के बाद भी विश्व स्तर पर अभी सफल नहीं हो पायी है। टोक्यो ओलंपिक में

टीम चौथे स्थान पर रही थी।

वहीं हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ने कहा, ''यह निराशाजनक रहा। अब हमें अगले ओलंपिक के लिए नये सिरे से शुरुआत करनी होगी। अगले ओलंपिक की तैयारी में अभी चार साल का पर्याप्त समय है।'' भारतीय टीम के खराब प्रदर्शन के लिए हॉकी इंडिया के कुछ फैसलों को भी जिम्मेदार बताया जा रहा है। टोक्यो ओलंपिक में भारतीय टीम की कप्तान रही रानी रामपाल को बिना किसी कारण के बाहर कर दिया गया। रानी को टीम से हटाकर जूनियर टीम के कोच पद की जिम्मेदारी दे दी गयी। इसके अलावा पेनल्टी कॉर्नर विशेषज्ञ दीप ग्रेस इक्का और गुरजीत कौर की जगह अनुभवहीन युचा खिलाड़ियों को शामिल कर लिया गया। को भी युवा खिलाड़ियों को जगह देने के लिये बाहर किया गया लेकिन यह फैसला भी आत्मघाती रहा। मुख्य कोच शॉपमैन भी टीम के साथ लगातार नहीं बने रहे जिससे भी टीम को नुकसान हुआ।

एलताज सफारली बने फुजेराह एंडोरेंस ब्लिट्ज़ शतरंज के विजेता, भारत के रौनक बने उपविजेता

फुजेराह, यूएई। अजरबैजान के अनुभवी ग्रांड मास्टर एलताज सफारली नें बेहतर टाईब्रेक के आधार पर भारत के युवा ग्रांड मास्टर रौनक साधवानी को पीछे छोड़ते हुए फुजेराह एंडोरेंस ब्लिट्ज़ शतरंज का खिताब अपने नाम कर लिया है। एलताज नें नौ राउंड में 6 जीत और 3 ड्रॉ खेलते हुए 7.5 अंक बनाए और इतने ही अंक बनाने वाले भारत के रौनक से दूसरे टाईब्रेक में 0.5 अंको से आगे रहे और पहला स्थान हासिल कर लिया। रौनक 7.5 अंक बनाकर उपविजेता रहे। ब्लिट्ज में 2667 रेटिंग वाले रौनक नें 2719 रेटिंग का प्रदर्शन किया। रौनक ने सबसे बड़ी जीत तजाकिस्तान के ग्रांड मास्टर फारुख ओमानतोव के खिलाफ पांचवे राउंड में दर्ज की, आखिरी राउंड में उन्होने अजरबैजान के गादिर गशिमोव से ड्रॉ खेला। फारुख 6.5 अंक बनाकर तीसरे स्थान पर रहे। अन्य खिलाड़ियों में टर्की के अज़ीज़ मेर्ट ,अजरबैजान के गादिर गशिमोव ,मालदोवा के विक्टर बोलोगन, अजरबैजान के अर्कडीज़ नाइडिश, उक्रेन के एडम तुखेव और मालदोवा के वीओरेल लोरडचेसचु 6 अंक बनाकर टाईब्रेज़ के आधार पर क्रमशः चौंथे से नौवे स्थान पर रहे। जॉर्जिया के मिखेल एम 5.5 अंक बनाकर दसवें स्थान पर रहे। फुजेराह के क्राउन प्रिंस शेख मोहम्मद बिन हमाद नें विजेताओं को पुरुष्कृत किया। प्रतियोगिता में कुल 24 देशो के खिलाड़ियों नें भाग लिया।

भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार पर इंग्लैंड दे सकती है झटके : वॉन

लंदन(एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा है कि इस सीरीज में भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है। वॉन के अनुसार भारतीय टीम को घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। दोनो ही टीमों के बीच पांच मैचों की ये टेस्ट सीरीज होगी। वॉन के अनुसार इंग्लैंड की टीम बैखौफ होकर खेल रही है। इसलिए वह भारतीय टीम को हरा भी सकती है।

वॉन ने भारतीय टीम को सीरीज का प्रबल दावेदार बताया है। उन्होंने लिखा, मैं वास्तव में भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का इंतजार कर रहा हूं। भारतीय टीम इसमें पसंदीदा है पर मुझे लगता है कि इंग्लैंड उन्हें एक या दो झटके दे सकती है। ऐसा हैदराबाद में भी हो सकता है। इंग्लैंड की टीम आक्रामक क्रिकेट खेलती है जिसका लाभ उसे मिल सकता है। इंग्लैंड की टीम को आक्रामक खेला से काफी फायदा हुआ है पर पहली बार ब्रैंडन मैकुलम और बेन स्टोक्स की जोड़ी भारत में टेस्ट क्रिकेट खेलेगी।

भारतीय टीम घरेलू धरती पर एक दशक से ज्यादा समय से टेस्ट सीरीज नहीं हारी है। वहीं इंग्लैंड की टीम ने अपनी आक्रामक रणनीति से से काफी मैच जीते हैं। इससे पहले पाकिस्तान में भी इंग्लैंड ने आक्रामक खेल से ही टेस्ट सीरीज जीती थी। इसके अलावा एशेज सीरीज को 0-2 से पिछड़ने के बाद भी बराबरी पर ला दिया था। इंग्लैंड की टीम को इससे पहले के भारत दौरे में मिली सीरीज जीत का भी मनोवैज्ञानिक लाभ मिलेगा।

इंडोनेशिया मास्टर्स में प्रणव से रहेंगी उम्मीदें, सात्विक-चिराग हटे

जकार्ता। एचएस प्रणय इंडोनेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की ओर से एकल में पदक के प्रबल दावेदार होंगे। इसका कारण ये है कि पुरुष युगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी टूर्नामेंट से हट गई है। सात्विक और चिराग की जोड़ी ने अपने व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए इस टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है। इस जोड़ी के हटने से टूर्नामेंट में भारत की उम्मीदों को झटका लगा है। चिराग और सात्विक के नहीं होने से पुरुष युगल में एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला एकमात्र भारतीय जोड़ी होगी। वहीं एकल में प्रणय अपना पहला मैच सिंगापुर के लोह कीन यीयु से खेलेंगे। इस मैच प्रणय जीत के प्रबल दावेदार हैं क्योंकि यीयु के खिलाफ वह चार मुकाबले जीते और और उन्हें केवल एक हार मिली है। प्रणय पिछले हफ्ते इंडिया ओपन के सेमीफाइनल में भी पहुंचे थे जहां उन्हें चीन के शी युकी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। प्रणय के अलावा भारत के ही लक्ष्य सेन पर भी सभी की नजरें रहेंगी। उन्हें पहले दौर में चीन के वेंग होंग येंग से खेलना है। इसके अलावा विश्व के 25वें नंबर के खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत पहले दौर में मलेशिया के ली जी जिया से खेलेंगे जबकि प्रियांशु की टक्कर डेनमार्क के रासमुस गेम्के से होगी।

अल्कारेज ऑस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टर फाइनल में, ज्वेरेव से होगी भिड़ंत

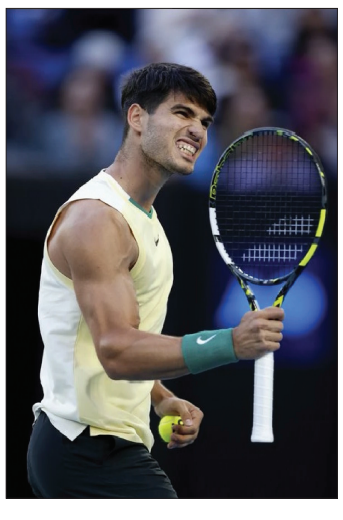

मेलबर्न (एजेंसी)। दूसरे वरीय कार्लोस अल्कारेज ने सीधे सेट में जीत के साथ सोमवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई जहां उनकी भिड़ंत ओलंपिक चैंपियन एलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगी। बीस साल के विंबलडन चैंपियन अल्कारेज 2023 में चोट के कारण सत्र के इस पहले ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में नहीं खेल पाए थे।

दूसरे वरीय अल्कारेज ने प्री क्वार्टर फाइनल में मियोमिर केसमानोविच को दो घंटे से भी कम समय में 6-4, 6-4, 6-0 से हराया। ज्वेरेव ने एक अन्य प्री क्वार्टर फाइनल में 19वें नंबर के खिलाड़ी कैमरन नूरी को चार घंटे तक चले कड़े मुकाबले में 7-5, 3-6, 6-3, 4-6, 7-6 से हराया। दानिल मेदवेदेव भी क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में सफल रहे जबकि मेदवेदेव ने सोमवार को नुनो बोर्गेस को 6-3 7-6 5-7 6-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अंतिम आठ के मुकाबले में उनकी भिड़ंत नौवें नंबर के ह्युबर्ट हुरकाज से होगी जिन्होंने फ्रांस के वाइल्ड कार्ड धारक आर्थर केजो को 7-6, 7-6, 6-4 से हराया।

पुरुष एकल में शीर्ष वरियता प्राप्त खिलाड़ी चुनौती में बने हुए है तो महिला एकल में 12वें पायदान पर काबिज झेंग किनवेन शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी है। झेंग ने रैंकिंग में 95वें स्थान पर काबिज ओशियन डोडिन को 6-0, 6-3 से हराया। वह अगले दौर में रैंकिंग में 75वें पायदान पर काबिज अन्ना कलिंस्काया का सामना करेंगी। झेंग और कलिंस्काया के अलावा डायना यास्त्रेमस्का और लिंडा नोसकोवा ने पहली बार इस टूर्नामेंट के महिला एकल के अंतिम आठ में जगह बनाई। कलिंस्काया ने रैंकिंग में 26वें स्थान पर काबिज जैस्मिन पाओलिनी 6-4,6-2 से मात दी। यास्त्रेमस्का ने महिला एकल में दो बार की चैंपियन विक्टोरिया अजारेंका को सीधे सेट में 7-6 6-4 से हराया जबकि 18वें नंबर की एलिना स्वितोलिना जब नोसकोवा से 0-3 से पीछे चल रहीं थी तो उन्होंने पीठ की चोट के कारण मुकाबले से हटने का फैसला किया।

अजारेंका को पहले सेट में दो बार अपनी सर्विस पर सेट जीतने का मौका मिला और 6-5 के स्कोर पर उनके पास दो सेट प्वाइंट थे लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा सकीं। यूक्रेन की यास्त्रेमस्का ने इसके बाद 74 मिनट में पहला सेट जीता। दूसरे सेट में भी बेलारूस की अजारेंका 3-0 ने आगे थी लेकिन यास्त्रेमस्का ने अगले सात में से छह गेम जीतकर मैच अपने नाम किया। यूक्रेन और रूस तथा बेलारूस के खिलाड़ियों के बीच परिपाटी को आगे बढ़ाते हुए अजारेंका और यास्त्रेमस्का ने हाथ नहीं मिलाए। नोसकोवा-स्वितोलिना के बीच हुए मुकाबले का पहला गेम 11 मिनट चला। नोसकोवा ने स्वितोलिना की सर्विस तोड़ी और फिर अपनी सर्विस बचाकर स्कोर 2-0 किया।

स्वितोलिना ने टाइम आउट लेकर कमर का उपचार कराया। मैच शुरू होने पर यूक्रेन की स्वितोलिना की सर्विस की गति काफी कम थी और उन्हें मूवमेंट में भी परेशानी हो रही थी। नोसकोवा ने इसका फायदा उठाकर फिर सर्विस तोड़ी और स्वितोलिना ने मुकाबले से हटने का फैसला किया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पेटेंट अटर्नी बनने के लिए लॉ डिग्री की जरूरत नहीं

अगर आप इंटेलेक्चुएल प्रॉपर्टी राइट्स के क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं तो पेटेंट अटर्नी बनने के लिए लॉ डिग्री की भी जरूरत नहीं है। आप मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित किए जाने वाले एग्जाम को पास कर इस फील्ड में उतर सकते हैं। हां, एलएलबी की डिग्री हो, तो आप औरों से बीस साबित हो सकते हैं।

दुनिया आविष्कारों की बदौलत बहुत तेजी से बदल रही है। कुछ आविष्कार अप्रत्यक्ष भी हो रहे हैं। ऐसे आविष्कारों के लिए पेटेंट करवा पाना तक मुश्किल है। आईपी यानी इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी के कॉन्सेप्ट के विकास के पीछे यह एक बड़ी वजह है। नई रचना, आविष्कार, साहित्यिक और कलात्मक काम और प्रतीक, नाम, तस्वीर और कमर्शल रूप से इस्तेमाल होने वाले डिजाइन आदि को विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) ने आईपी या बौद्धिक संपदा के रूप में परिभाषित किया है। असल में आईपी का क्षेत्र बहुत व्यापक है।

सॉफ्टवेयर, आर्किटेक्चर और इंडस्ट्रीयल डिजाइन, फार्मास्युटिकल रिसर्च, संगीत, साहित्यिक काम आदि ही नहीं बल्कि वैसी सारी चीजें जिन्हें मात्रा में नहीं निर्धारित किया जा सकता, आईपी के दायरे में आती हैं। और, एक इंटेलेक्चुएल प्रॉपर्टी राइट्स (आईपीआर) अटर्नी अपने क्लाइंट्स के लिए इन्हीं चीजों पर काम करता है और उनके हितों को सुरक्षित करने के कानूनी उपाय करता है।

क्या होता है काम

एक आईपीआर अटर्नी को मुख्य रूप से अपने क्लाइंट के कमर्शल हितों की रक्षा करनी होती है। अपने काम के रूप में उसे यह देखना होता है कि किसी व्यक्ति या किसी संस्था के इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स की रक्षा कैसे की जा सकती है। जो नए आविष्कार हो रहे हैं, जो नई तकनीक आ रही है, क्या पेटेंट के लायक हैं या नहीं, इस तरह के कामों को देखना भी आईपीआर अटर्नी के जिम्मे होता है। इस पेशे में लॉ की जानकारी के साथ अटर्नी को अपने तरीके से भी सोचते रहना होता है कि वह कैसे अपने क्लाइंट के इंटेलेक्चुअल अटर्नी की चोरी आदि को रोक सकता है या किन प्रॉपर्टीज को लेकर भविष्य में खतरे पैदा हो सकते हैं।

प्रफेशनल कोर्स

अगर आप साइंस, इजिनियरिंग या टेक्नॉलजी में ग्रैजुएट हैं तो इस दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं। पेटेंट अटर्नी बिना लॉ डिग्री के ही बन सकते हैं। आपको बस मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित किए जाने वाले एग्जाम को पास करना होता है। ध्यान रहे, ग्रैजुएट होने के साथ आपकी उम्र कम से कम 21 साल होनी चाहिए। आगर आपके पास लॉ की डिग्री है, तो इसे सोने पर सुहागा समझिए। बायोलॉजी, केमिस्ट्री, फिजिक्स, कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रॉनिक्स, मेडिसिन आदि के बैकग्राउंड वाले स्टूडेंट्स को काम में न सिर्फ सहूलियत होती है बल्कि इस फील्ड में अनुभव के बाद चमकदार करियर बना सकते हैं।

करियर और सैलरी

एक आईपीआर अटर्नी के लिए करियर के अवसर सरकारी और निजी, दोनों प्रकार के क्षेत्रों में हैं। इसका स्कोप पिछले एक-डेढ़ दशक में कुछ ज्यादा ही बढ़ा है। बहुत सारी कंपनियां जो पेटेंट और कॉपीराइट्स की सुरक्षा चाहती हैं, स्पेशलिस्ट अटर्नी की इन-हाउस टीम रखती हैं, ताकि उन्हें इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी को लेकर किसी तरह का नुकसान न उठाना पड़े। इसके अलावा सरकारी संस्थान और स्पेशलिस्ट लॉ फर्मों में भी आईपीआर अटर्नी को काम मिलता है। आप चाहें तो इस सब्जेक्ट के स्पेशलिस्ट के रूप में शिक्षण संस्थानों में भी काम पा सकते हैं। एक आईपीआर अटर्नी के रूप में खुद भी काम किया जा सकता है। आप चाहें तो कंपनियों या फर्मों के आपीआर कंसलटेंट भी बन सकते हैं। इस पेशे में पैसे की कमी नहीं है। डिपेंड आप पर करता है कि आप किस तरह से अपने करियर को आगे बढ़ाते हैं। अगर आप अपना काम शुरू करना चाहते हैं तो शुरुआत में मेहनत करने की जरूरत होगी और साल-दो साल ज्यादा पैसे की न सोचें। लेकिन वहीं अगर आप किसी लॉ फर्म को जॉइन करते हैं तो एक बंधी-बंधाई सैलरी की उम्मीद कर सकते हैं। लेकिन यदि आप किसी यूनिवर्सिटी या लॉ स्कूल में फैकल्टी बन जाते हैं, तो शुरुआत में भी काफी

इंस्टिट्यूट्स

विदेश
- जॉर्ज वॉशिंगटन विश्वविद्यालय
- फ्रेंकलिन पियर्स लॉ सेंटर
- कोलंबिया विश्वविद्यालय
- स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय
- न्यू यॉर्क विश्वविद्यालय

भारत
- नेशनल लॉ स्कूल, बंगलुरू
- इंडियन लॉ सोसाइटी कॉलेज, पुणे
- गर्वनमेंट लॉ कॉलेज, मुंबई
- नालसर यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ, हैदराबाद
- नेशनल लॉ इंस्टीट्यूट यूनिवर्सिटी, भोपाल
- नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ ज्यूरीडिशियल साइंसेज, कोलकाता

फाईन आर्टस क्षेत्र में भविष्य

कला आज महज प्रदर्शन या हुनर तक सीमित नहीं रह गई है। विश्व स्तर पर अब न केवल अच्छे कलाकारों की मांग है बल्कि उनकी कलाकृतियों को अच्छे दामों में खरीदा जा रहा है। कला से तात्पर्य कला की एक शाखा से है जिसमें चित्रांकन, डिजाइनिंग और रंगों से जुड़ी बातें शामिल हैं। तो जानते हैं इसके विषय में।

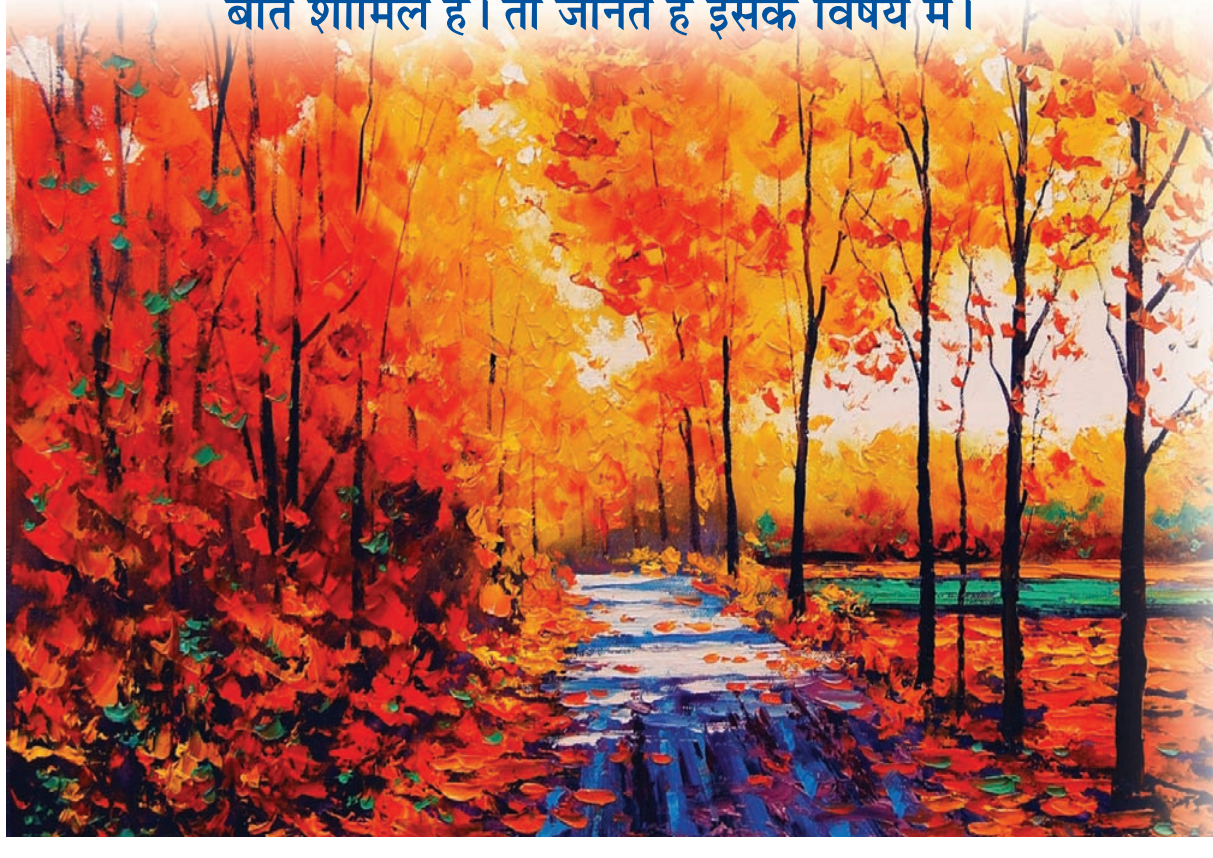

आज यह एक रोमांचक तथा लाभप्रदा क्षेत्र बन चुका है उन युवाओं के लिए जिनमें प्रतिभा और लग्न दोनों हैं। आज आर्ट की फील्ड सिर्फ 'क्राफ्ट' की परिभाषा से कहीं आगे बढ़ चुकी है लेकिन एक अच्छा आर्टिस्ट होने के साथ-साथ आज एक और चींज आवश्यक है और वह है बिजनेस सेंस का होना। कमर्शियल सक्सेस पाने के लिए इसका होना महत्वपूर्ण है।

आपको विभिन्न आर्ट गैलरीज, तथा आर्ट कलेक्टर्स (जो कि एक आर्टिस्ट के भविष्य को संवारने में प्रमुख भूमिका निभाते हैं) के बारे में सारी जानकारी रखना होगी और स्वयं को उनके खाने में पूरी तरह फिट करना होगा। सिर्फ आर्ट स्कूल में पढ़ लेने से स्टूडेंट में जाना-माना कलाकर बनने की कूवत नहीं होती। इसके लिए बिजनेस सेंस का होना भी ज़रूरी है।

क्षेत्र

फाइन आर्ट्स से ग्रेज्युएशन करने वालों के लिए कॅरियर बनाने के ढेर सारे क्षेत्र होते हैं। इनमें इलस्ट्रेशन, ग्राफिक डिजाइन, एक्जीबिशन डिजाइन, बिल्डिंग आर्किटेक्चर, मॉडल मेंकिग, म्यूजियम एडमिनिस्ट्रेशन, गैलरी मेकिंग, म्यूजियम एडमिनिस्ट्रेशन, गैलरी ऑपरेशन्स, इंटीरियर- एक्सटीरियल डिजाइन, विजु आलाइजर, आर्ट थेरेपी, आर्ट टीचिंग, रेस्टोरेशन तथा फोटोग्राफी जैसे क्षेत्र शामिल होते हैं।

वहीं कुछ ग्रेज्युएट्स डिजाइन, सेरेमिक्स, ज्वेलरी, फाइबर्स और टेक्सटाइल आदि में प्रोफेशनल प्रेक्टिस का रास्ता भी अपनाते हैं। इसके अलावा कुछ अन्य स्वयं के स्टूडियो स्थापित कर एक आर्टिस्ट या क्राफ्ट्समैन के बतौर भी सेवाएं देते हैं। कुछ विद्यार्थी 'इन्डसीप्लीनरी स्टडीज' जैसे मल्टीमीडिया या बिजनेस एडमिनिस्ट्रशन वाले रास्ते भी चुनते हैं। जिसके अंतर्गत वे एनीमेशन, आर्ट डायरेक्शन तथा आर्ट एडमिनिस्ट्रेशन में कॅरियर बना सकते हैं।

आर्ट और बिजनेस एक अच्छा कॉम्बीनेशन है जिसका प्रयोग एक आर्ट गैलरी या डिजाइन स्टूडियो के प्रबंधन हेतु किया जा सकता है। वहीं आर्ट और एजुकेशन, आर्ट और कम्प्यूटर साइंस, आर्ट और इंग्लिश आदि रूपों में चुना जा सकता है।

ट्रेनिंग

अधिकांश अच्छे आर्ट स्कूलों में विद्यार्थियों को कल्पनाशीलता के प्रयोग के साथ-साथ अपने काम के प्रति जिम्मेदारी, प्रोफेशनलिज्म, डिसीप्लीन्ड वर्क हेबिट आदि के बारे में भी ट्रेनिंग दी जाती है। ताकि उसे सही दिशा मिल सके और वह अपने-आप को एक अच्छे और सच्चे कलाकार के रूप में स्थापित कर सके।

हालांकि आमतौर पर बैचलर इन फाइन आर्ट्स या मास्टर इन फाइन आर्ट्स की अवधि में प्रेक्टिकल नॉलेज के लिए समय कम ही दिया जाता है जिसे कि बढ़ाने की आवश्यकता है, ताकि विद्यार्थी अच्छा सीख सकें। फिर भी आज आर्ट्स के विद्यार्थियों हेतु जितने दरवाज़े खुले हैं, वे पहले से कहीं ज्यादा हैं। चित्रांकन और मूर्तिकला से लेकर टी.वी. मैग्जीन्स, कम्प्यूटर और अन्य कई क्षेत्रों में अब फाइन आर्ट्स के विद्यार्थियों की मांग बढ़ती जा रही है।

क्लाउड कम्प्यूटिंग व इम्प्लिसिट वेब में सुनहरा भविष्य

आईटी का क्षेत्र अपने आप में काफी बड़ा है और इसमें भविष्य बनाने की चाहत हर युवा के मन में रहती है। इस क्षेत्र भविष्य बनाने के लिए युवा तमाम तरह के प्रयत्न करता है। कई बार जानकारी के अभाव में युवा आईटी में एक जैसा करियर चुनते हैं। अगर वर्तमान टेक्नोलॉजी का ध्यान रखेंगे तब निश्चित रूप से इसमें अच्छा करियर बना सकेंगे। आईटी के क्षेत्र में नित नई खोजें होती ही रहती हैं। इन खोजों के कारण ही लगातार इस क्षेत्र में इस क्षेत्र में युवा आकर्षित होते रहते हैं। आईटी के क्षेत्र में भारत की विश्व में अलग ही साख है। भारतीय युवाओं को इस क्षेत्र में काफी पसंद भी किया जाता है। इस क्षेत्र में सबसे बड़ी हलचल क्लाउड कम्प्यूटिंग के माध्यम से हुई है और युवा इस ओर आकर्षित भी हो रहे हैं। निश्चित रूप से भविष्य क्लाउड कम्प्यूटिंग व इम्प्लिसिट वेब के क्षेत्र में है। क्लाउड कम्प्यूटिंग वास्तव में इंटरनेट आधारित प्रक्रिया और कम्प्यूटर एप्लीकेशन का इस्तेमाल है। गूगल एप्स क्लाउड कम्प्यूटिंग का एक उदाहरण है, जो बिजनेस एप्लीकेशन ऑनलाइन मुहैया कराता है और वेब ब्राउजर का इस्तेमाल कर इस तक पहुंचा जा सकता है। इंटरनेट पर सर्वरों में जानकारियां सेव रहती हैं और ये उपयोगकर्ता के डेस्कटप, नोटबुक, गेमिंग कंसोल इत्यादि पर आवश्यकतानुसार अस्थायी रूप से संग्रहित रहती हैं। साधारण भाषा में कहा जाए तो कि अब तक जो सफ्टवेयर प्रोग्राम आप स्थानीय रूप से अपने कम्प्यूटर और लैपटप-नोटबुक पर संस्थापित करते रहे थे, अब इनकी कतई आवश्यकता नहीं होगी, क्योंकि ये सब सॉफ्टवेयर अब आपको वेब सेवाओं के जरिए मिला करेंगी। यही नहीं, गूगल गियर जैसे अनुक्रमों के जरिए आपको इस तरह की बहुत सारी सुविधाएं ऑफ लाइन भी मिला करेंगी। इसके कारण कंपनियों को शून्य लागत आती है। चलाने का खर्च भी कम होता है। इसे जितनी जरूरत है,उसके अनुरूप किराए पर लिया जा सकता है। कुल मिलाकर क्लाउड कम्प्यूटिंग कंपनियों के प्रौद्योगिकी खर्च में कमी लाता है। अगर आप आईटी के क्षेत्र में अपना भाग्य आजमाना चाहते हैं तब क्लाउड कम्प्यूटिंग की ओर तेजी से अपने कदम बढ़ा सकते है, क्योंकि इसमें काफी अच्छा भविष्य है। इंटरनेट का अगला चरण इम्प्लिसिट वेब यानि अप्रत्यक्ष इंटरनेट का होगा जिसमें इंटरनेट का उपयोग करते वक्त जो गुप्त संकेत हम छोड़ते हैं, उन सभी को एक जगह एकत्रित कर हमारे इंटरनेट का उपयोग करने के अनुभव को और बेहतर बनाने के लिये उपयोग किया जायेगा। इम्प्लिसिट वेब मतलब कस्टमाईज्ड इंटरनेट सर्विस कह सकते है। आप इंटरनेट पर क्या देखते है क्या सर्च करते है और आपकी पसंद के क्या विषय है इसे एकत्रित कर अपने आप विश्लेषण हो जाता है और जब आप कम्प्युटर पर इंटरनेट ब्राउज करते है तब आप जो चाहते है वही मिलता है जिससे समय की बचत होती है। इस क्षेत्र में युवा साथी अपना भविष्य बना सकते है क्योंकि इंटरनेट के प्रयोगकर्ताओं की संख्या काफी तेजी से बढ़ती जा रही है।

संस्थान

- नेशनल इंस्टिटच्यूट ऑफ इंफर्मेशन टेक्नोलॉजी (एनआईआईटी), बेंगलूर
- आईआईएचटी, चेन्नई
- विजुअलपाथ, हैदराबाद
- वीजीआईटी, चेन्नई
- बिजनेस एक्सीलेंस इंस्टिट्यूट प्राईवेट लिमिटेड, नई दिल्ली

एमबीए : कहां से करें

पहले एमबीए करने के बाद युवाओं को जॉब नहीं तलाशना पड़ता था लेकिन अब कई ऐसे युवा मिल जाएंगे जो एमबीए करने के बाद भी जॉब की तलाश में रहते हैं। एमबीए करने के लिए वे ऐसे संस्थानों में प्रवेश ले लेते हैं, जिनके माध्यम से नौकरी पाने की संभावना कम रहती है। कई छात्र काफी होशियार होते हैं, पर जानकारी के अभाव में वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पढ़ने की काबिलियत होने के बावजूद इंटरनेशनल एमबीए नहीं कर पाते। कुछ समय पहले विश्व के सर्वश्रेष्ठ एमबीए कॉलेज की सूची जारी की थी तब इस सूची में भारतीय का एक कॉलेज भी टप टेन में नहीं था। भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद और हांगकांग यूनिवर्सिटी अभी भी टॉप टेन की सूची से बाहर है।

दरअसल इस सर्वे में सैलरी से लेकर फैकल्टी का एज्युकेशन क्वॉलिफिकेशन आदि का समावेश किया गया था। सर्वे में केवल यह नहीं देखा गया है कि कोर्स करने के बाद विद्यार्थियों को कितनी सेलरी मिली, बल्कि संपूर्ण विकास की बात भी देखी गई है। सबसे पहला नंबर अमेरिका के डार्टमाउथ बिजनेस स्कूल को मिला है। जानकारों का मानना है कि बेदम एमबीए के लिए समय व्यर्थ करना और बाद में अच्छी नौकरी न मिल पाने पर हताश होने की अपेक्षा दम वाले एमबीए की ओर पहले से नजर रखें।

एमबीए संस्थान

- डार्टमाउथ बिजनेस स्कूल, अमेरिका
- शिकागो बूथ, अमेरिका
- आईएमडी, स्विट्जरलैंड
- वर्जिनिया यूनिवर्सिटी, अमेरिका
- हार्वर्ड बिजनेस स्कूल, अमेरिका
- आईआईएम (इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट), दिल्ली
- आईएसबी (इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस), हैदराबाद
- एक्सएलआरआई (जेवियर लेवर रिसर्च इंस्टिट्यूट), जमशेदपुर
- एफएमएस (फेकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडी), दिल्ली
- जमनालाल बजाज इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडी, मुंबई

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

घर पर फहराया इमरान की पार्टी का झंडा, वामपंथी पिता ने उतारा मौत के घाट

पेशावर। पाकिस्तान में चुनाव को लेकर मची खींचातान के बीच हत्या और अपहरण के मामले बढ़ते जा रहे हैं। पाकिस्तान के आम चुनाव से पहले किस राजनीतिक दल का झंडा फहराया जाए इस लेकर बाप और बेटे में झगड़ा हो गया। इस पर गुस्साए पिता ने अपने बेटे की हत्या कर दी। रिपोर्ट के मुताबिक, बेटा हाल ही में कतर से काम करके लौटा था। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के पेशावर में स्थित अपने घर पर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी का झंडा फहराया था। इस लेकर बाप-बेटे में बहस तब छिड़ गई। पिता ने अपने बेटे को घर पर पीटीआई का झंडा फहराने से मना किया, लेकिन बेटे ने झंडा उतारने से मना कर दिया। बेटे ने कहा कि वह पीटीआई को नहीं छोड़ेगा। पुलिस ने बताया कि बेटे के इनकार से बहस बढ़ गई और गुस्से में आकर पिता ने अपने 31 वर्षीय बेटे पर पिस्तौल से गोली चला दी। अस्पताल ले जाते समय बेटे की मौत हो गई। पुलिस पिता की तलाश कर रही है। आरोपी पिता के बारे में कहा जा रहा है कि वह राष्ट्रवादी अवामी नेशनल पार्टी (एएनपी) से जुड़ा था। वह अपने घर पर आवामी पार्टी का झंडा भी फहरा चुका था। अवामी नेशनल पार्टी की बात करें तब यह पाकिस्तान में एक पश्तून राष्ट्रवादी, धर्मनिरपेक्ष और वामपंथी राजनीतिक दल है। पार्टी की स्थापना 1986 में अब्दुल वली खान ने की थी और इसके वर्तमान अध्यक्ष बाचा खान के पोते असफंदयार वली खान हैं। बाचा खान को दुनिया खान अब्दुल गफ्फार खान या बादशाह खान के नाम से जानती है।

गाजा में इजरायल को बड़ा झटका, 20 से ज्यादा सैनिकों की मौत

गाजा। हमास के साथ जारी संघर्ष में इजरायल को बड़ा झटका लगा है। खबर है कि गाजा में हुए हमले में इजरायल के 20 से ज्यादा सैनिकों की मौत हुई है। आशंका है कि मौतों का आंकड़ा और भी आगे बढ़ सकता है। इजरायली सेना प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने मौत के ताजा आंकड़े पेश किए हैं। उन्होंने कहा कि सोमवार को सैनिक एक भवन को गिराने के लिए विस्फोटक तैयार कर रहे थे। तभी आतंकियों की तरफ से दागा रॉकेट प्रोपैल्ड ग्रेनेड तोप के पास आकर गिरा और समय से पहले ही फट गया। इसके बाद भवन सैनिकों पर ही गिर गया। इसके पहले इजरायली सेना ने बताया कि गाजा पट्टी में तीन महीने के सबसे घातक हमले में 10 सैनिकों की मौत हो गई थी। गाजा में हमास द्वारा बंधक बनाए गए दर्जनों लोगों के परिवारों के सदस्य इजरायल की संसद में वित्त समिति की बैठक के दौरान प्रवेश कर गए। गुस्साए परिजनों ने कहा, आप (सांसद) यहां बैठक नहीं सकते, जब वे (बंधक) वहां मर रहे हैं। इससे पहले, रविवार की रात परिजनों ने विरोध-प्रदर्शन जारी रखने के लिए यरूशलम में तंबू गाड़ लिए और तब तक वहीं रहने का संकल्प लिया, जब तक सरकार कुछ बंधकों को मुक्त कराने के लिए किसी समझौते पर नहीं पहुंच जाती।

गाजा संघर्ष में मरे 25 हजार नागरिक

इस बीच संयुक्त राष्ट्र की मानवीय रिपोर्ट में सात अक्टूबर को युद्ध की शुरुआत के बाद से एन्क्लेव में 25 हजार से अधिक लोगों की मौत होने की बात कही गई है।

ब्राजील में यात्री नाव पलटने से 6 की मौत

साओ पाउलो। ब्राजील के तट पर एक यात्री नाव के पलट जाने से छह लोग डूब गए और छह अन्य घायल हो गए। यह दुर्घटना साल्वाडोर के महानगरीय क्षेत्र के पास ऑल सेंट्स की खाड़ी में हुई। रिपोर्ट के अनुसार अग्निशमन विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि दो लोग लापता हैं। मरने वालों में एक सात साल का लड़का और एक सत्रह साल का किशोर शामिल हैं। नौसेना के एक प्रवक्ता के अनुसार अधिकारियों ने यह निर्धारित करने के लिए जांच शुरू की कि क्या नाव पर लड़ाई के कारण वह पलट गई, क्योंकि यह लोगों को दो किलोमीटर दूर एक पार्टी में ले जा रहा थी और क्या जहाज यात्रियों के परिवहन के लिए व्यावसायिक उपयोग के लिए अधिकृत था। दुर्घटना के समय जहाज पर मौजूद यात्रियों की सटीक संख्या अज्ञात है।

एर्दोगन के निमंत्रण पर अंकारा पहुंच रहे राष्ट्रपति रायसी

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी अपने तुर्की समकक्ष रेसेप तैयप एर्दोगन के निमंत्रण पर बुधवार को अंकारा के लिए रवाना होने वाले है। ईरान की आधिकारिक मीडिया ने इसकी जानकारी दी। रिपोर्ट में कहा गया है कि रायसी की तुर्किये की पहली यात्रा के दौरान उच्च पदस्थ राजनीतिक और आर्थिक प्रतिनिधिमंडल उनके साथ होगा। तुर्की-ईरान उच्च स्तरीय सहयोग परिषद की आठवीं बैठक की सह-अध्यक्षता करने और एक संयुक्त सम्मेलन आयोजित करने से पहले दोनों राष्ट्रपति रायसी के अंकारा पहुंचने के बाद एक निजी बैठक करने वाले हैं। रायसी और एर्दोगन दोनों देशों के व्यापारियों और व्यवसायियों की एक संयुक्त बैठक में भी शामिल होने वाले है।

पूरी दुनिया हुई राममय... दुबई स्थित बुर्ज खलीफा में प्रभु रामलला की तस्वीर

दुबई। 500 साल बाद रामलला अयोध्या के राम मंदिर में विराजमान हुए हैं। सोमवार को हुए प्राण प्रतिष्ठा समारोह की देश भर के साथ-साथ विदेशों में भी धूम दिखाई दी। इसी कड़ी में दुबई स्थित दुनिया की सबसे ऊंची बिल्डिंग बुर्ज खलीफा ने अपने डिसप्ले पर भगवान राम की तस्वीर को लगाया गया। इसके अलावा प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर अमेरिका के न्यूयॉर्क स्थित टाइम्स स्क्वायर पर भगवान राम की तस्वीरें और अयोध्या के भव्य राम मंदिर की 3डी तस्वीरें प्रदर्शित की गई थीं। साथ ही रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले, ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ राम मंदिर के सदस्यों ने न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर में लड्डू बांटे और लोगों से समारोह में शामिल होने की अपील की थी। अमेरिका के न्यूयॉर्क टाइम्स स्क्वायर, वाशिंगटन, डीसी, एलए, सैन फ्रांसिस्को, इलिनोइस, न्यू जर्सी, जॉर्जिया सहित बोस्टन जश्न का मनाया गया। इसके अलावा अमेरिका में विश्व हिंदू परिषद ने अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह पर गोल्डन गेट ब्रिज पर एक कार रैली का आयोजन किया गया। राम मंदिर के बारे में प्रेम भंडारी ने कहा कि हमने कभी नहीं सोचा था कि हम इस जीवनकाल में ये दिन देख पाएंगे। टाइम्स स्क्वायर में भी लोग इसका जश्न मना रहे हैं। ये सब पीएम मोदी के नेतृत्व में हो रहा है. दुनिया भर के लोग इस पल के लिए उत्सुक हैं। वहीं, रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले मैक्सिको को भी राम मंदिर के रूप में देश का पहला मंदिर मिल गया है। मैक्सिको में बने राम मंदिर का उद्घाटन अमेरिका से आए पुजारी ने किया।

अब स्टडी वीजा में 35 प्रतिशत की कटौती करेगी कनाडा सरकार

टोरंटो। कनाडा में पढ़ाई करने का सपना देखने वाले भारतीय छात्रों के लिए ये बुरी खबर है। कनाड़ा सरकार ने पढ़ाई के लिए वीजा देने वाले परमिट में 35 प्रतिशत तक कटौती करने का निर्णय लिया है। इस निर्णय से सभी छात्रों को वीजा मिलना कठिन हो जाएगा। इमीग्रेशन मंत्री मार्क मिलर ने सोमवार को ऐलान किया कि कनाडा विदेशी छात्रों के परमिट में 35 प्रतिशत की कमी करेगा। इस सीमा से

2024 में परमिटों की संख्या घटकर 364,000 हो जाएगी। इस वर्ष के अंत में 2025 की सीमा का फिर से रिव्यू किया जाएगा।मिलर ने कहा कि इससे उन संस्थानों पर असर पड़ेगा जो विदेश से आने वाले छात्रों से अधिक फीस वसूल रहे हैं और विदेशी छात्रों की संख्या में लगातार इजाफा कर रहे हैं। इसमें मास्टर्स और पीएचडी के लिए आवेदन करने वाले छात्रों को सीमा से छूट दी जाएगी। मिलर ने कहा, वे प्रतिभाशाली लोग हैं जिन्हें हमें बनाए रखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि वे जनसंख्या के आधार पर प्रांत द्वारा कैप स्पेस आवंटित करेंगे, जिसका अर्थ है कि कुछ प्रांतों में अनुमति प्राप्त अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की संख्या में भारी कमी देखी जाएगी।कनाडा सरकार को विदेशी छात्रों की बढ़ती संख्या से कनाडा के कई शहरों में गेस्ट हाउस की कमी का सामना करना पड़ा है। मिलर ने पहले उल्लेख किया है कि आवास की कमी के लिए एक सीमा एक आकार-फिट-सभी समाधान नहीं होगी, क्योंकि मुद्रास्फीति, सार्वजनिक आवास की कमी और नए निर्माण में बाधाएं सभी कमी को प्रभावित करने वाले कारक हैं। मिलर ने सोमवार को इस बात पर जोर दिया कि इस सीमा का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय छात्रों को दंडित करना नहीं है, जो इस देश के लिए एक मूल्यवान संपत्ति हैं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि उनका अनुभव और शिक्षा खत्म हो जाए।

गाजा में इजरायल ओर हमास के बची संघर्ष को देखते हुए रफाह में टेंट में रहने को मजबूर लोग।

ताइवान में नई निर्वाचित सरकार को भारत ने दी बधाई, चीन को लगी मिर्ची

ताइपे। ताइवान के हालिया चुनावों में जीत हासिल करने वाले नेताओं को भारत ने बधाई दे दी है। भारत के कदम से चीन का बौखलाना तय है। दरअसल चीन हर उस देश पर अपनी भड़ास निकाल रहा है, जो ताइवान को बधाई दे रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, ताइवान में भारत के प्रतिनिधि मनहर सिंह लक्ष्मणभाई यादव ने नवनिर्वाचित नेताओं को बधाई दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, यादव भारत के गणतंत्र दिवस का जश्न मनाने के लिए ताइपे में आयोजित एक स्वागत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने उन लोगों को शुभकामनाएं दीं जिन्होंने ताइवान की लोकतांत्रिक प्रक्रिया की सफलता सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास किया। मैं उन सभी व्यक्तियों को हार्दिक बधाई देता हूं जिन्होंने इस अवसर को अपनाया। मैं उन लोगों को भी बधाई देता हूं जिन्होंने इस लोकतांत्रिक प्रक्रिया की सफलता सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास किया। भारत-ताइपे एसोसिएशन (आईटीए) के महानिदेशक ने भी ताइवान में नवनिर्वाचित नेताओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण यहां के अच्छी तरह से स्थापित लोकतंत्रित मूल्यों का उदाहरण हैं। चीन, ताइवान को अपना क्षेत्र बताता है और जरूरत पड़ने पर बल प्रयोग कर अपने नियंत्रण में लाने का दावा करता है। चीन उन बयानों की कड़ाई से निंदा करता है जो द्वीप की सरकार को वैधता प्रदान करते प्रतीत होते हैं। चीनी विदेश मंत्रालय ने फिलीपीन के राजदूत को तलब किया और ताइवान के राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल करने पर लाई चिंग ते को फिलीपीन के राष्ट्रपति फर्डिनांडो मार्कोस जूनियर द्वारा बधाई देने पर कड़ी आपत्ति जाहिर की। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि मार्कोस की टिप्पणी फिलीपीन द्वारा चीन के प्रति जाहिर की गई राजनीतिक प्रतिबद्धता का गंभीर उल्लंघन है और यह चीन के आतंरिक मामलों में हस्तक्षेप है।

संयुक्त राष्ट्र ने जताई चिंता कहा- बारुद के ढ़ेर पर बैठे हैं मध्य पूर्व के देश

कंपाला (एजेंसी)। दुनिया के तमाम देश ऐसे हैं जिनकी पड़ोसी देश से दुश्मनी है। एक दूसरे पर हमले की फिराक में रहते हैं। हालात इतने ज्यादा खराब हैं कि दुनिया बारुद के ढेर पर बैठी दिखाई दे रही है,खासतौर से मध्य पूर्व के देशों को ज्यादा खतरा है। ये बात युगांडा की राजधानी कंपाला में रविवार को 77 देशों के समूह (जी77) और चीन के एक शिखर सम्मेलन में आई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतेरेस ने मध्य पूर्व को एक बारूद का ढ़ेर बताया और संघर्ष को पूरे क्षेत्र में भड़कने से रोकने के लिए हम जो कुछ भी कर सकते हैं वह करने की अपील की।

गुतेरेस ने, जो पहले इजरायलियों और फिलिस्तीनियों के लिए दो-राष्ट्र समाधान के लिए अपना समर्थन दिया था उसे दोहराते हुए कहा कि इजरायल के सैन्य अभियानों ने बड़े पैमाने पर विनाश फैलाया है। तीन महीने से अधिक की तीव्र बमबारी के बाद गाजावासियों की जरूरतों पर प्रकाश डालते हुए ओसीएचए ने कहा कि गाजा में अब केवल 15 बेकरियां चालू थीं - राफा में छह और दीर अल बलाह में नौ - और वादी गाजा के उत्तर में कोई भी खुला नहीं है। इनमें से लगभग सभी चालू बेकरियों को संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम से समर्थन मिलता रहा है जिसने आटा, नमक, खमीर और चीनी प्रदान की है।

ओसीएचए ने रविवार को आपातकाल पर अपने नवीनतम अपडेट में कहा, इस पहल के माध्यम से, लगभग ढ़ाई लोग रियायती मूल्य पर ब्रेड खरीदने में सक्षम थे। इस बीच, फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए

संयुक्त राष्ट्र एजेंसी यूएनआरडब्ल्यूए ने सोमवार को बताया कि दूरसंचार शटडाउन को सात दिन हो गये हैं। अपने सबसे हालिया अपडेट में, यूएनआरडब्ल्यूए ने खुलासा किया कि गाजा के भीतर आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों की संख्या 17 लाख तक पहुंच गई है। इनमें से कम से कम 335 लोग एजेंसी की सुविधाओं में शरण लेते समय मारे गए हैं, और 1,161 घायल हुए हैं। इसके अतिरिक्त, 7 अक्टूबर से अब तक यूएनआरडब्ल्यूए के 151 कर्मचारी मारे गए हैं और इसके 141 प्रतिष्ठानों को नुकसान हुआ है।

बता दें कि संयुक्त राष्ट्र की मानवीय रिपोर्ट में 7 अक्टूबर को युद्ध शुरू होने के बाद से एन्क्लेव में 25 हजार से अधिक लोगों की मौत होने की बात कही गई है। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों से मिली जानकारी का हवाला देते हुए, संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के समन्वय के लिए स्थापित कार्यालय (ओसीएचए) ने बताया कि इजरायली हमलों के कारण 62,681 फिलिस्तीनी घायल हुए हैं। ये हमले इज़रायल में हमास के नेतृत्व वाले हमलों के जवाब में थे, जिसके परिणामस्वरूप लगभग 1,200 लोग मारे गए और लगभग 250 बंधक बन गए।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ओसीएचए ने कहा कि शुक्रवार से गाजा में दो इजरायली सैनिक मारे गए हैं, जिससे जमीनी ऑपरेशन शुरू होने के बाद से कुल संख्या 193 हो गई है और 1,203 सैनिक घायल हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र सहायता समन्वय कार्यालय ने कहा कि इसी अवधि में 343 फिलिस्तीनी मारे गए और अन्य 573 लोग घायल हुए।

राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रम्प को चुनौती दे सकती है मिशेल ओबामा

वाशिंगटन (एजेंसी)। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा की पत्नी मिशेल ओबामा बाइडेन की जगह ले सकती हैं। अमेरिकी मीडिया में हाल की रिपोर्टों से पता चलता है कि मिशेल ओबामा 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में उतर सकती हैं। इससे उनका पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ संभावित मुकाबले का मंच तैयार हो सकता है। अमेरिकी अखबारों के मुताबिक लंबे समय से ट्रम्प के सलाहकार रोजर जे. स्टोन जूनियर की भविष्यवाणी के बाद ये अटकलें और तेज हो गई हैं। डोनाल्ड ट्रंप के लंबे समय से सलाहकार रहे रोजर जे स्टोन जूनियर ने आयोवा से एक हफ्ते पहले सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि 'मैं लगातार भविष्यवाणी कर रहा हूं - जैसा कि मैं पिछले दो साल से कर रहा हूं कि मिशेल ओबामा 2024 में अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेट पार्टी की उम्मीदवार होंगी। बता दें कि अमेरिका में इस बात को लेकर चर्चाएं तेज होने लगी हैं कि 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति के चुनाव में अगर डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडेन अपनी स्वास्थ्य समस्याओं के कारण चुनाव नहीं लड़ेंगे, तो पार्टी की अगला उम्मीदवार कौन होगा?

मीडिया रिपोर्ट्स में राष्ट्रपति जो बाइडेन की बहस में हिस्सा लेने की कथित अनिच्छा और पहले से लिखित स्क्रिप्ट दिए जाने की जरूरत का हवाला देते हुए मौजूदा चुनाव में जो बाइडेन के अगले संभावित उम्मीदवार के रूप में उभरने की संभावना को खारिज कर दिया गया है। एक लेख में कहा गया कि 'बाइडेन बहस नहीं करेंगे। हमारा कमांडर-इन-चीफ अपने सामने पहले से लिखी स्क्रिप्ट को इतनी तेजी से नहीं पढ़ सकता कि शब्दों का उच्चारण कर सके। इसलिए उनको भूल जाइए, जो कि हममें से अधिकांश लोग पहले से कर चुके हैं।'इन अटकलों को 2024 के चुनाव के बारे में मिशेल ओबामा की बातों से भी बल मिला है। मिशेल ओबामा ने एक रणनीतिक कदम उठाया और अपनी संभावित उम्मीदवारी के लिए समर्थन का आकलन करने के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं को एक सर्वे भी भेजा है। रिपोर्ट से पता चलता है कि एक साल पहले 2022 की गर्मियों के दौरान मिशेल ओबामा ने कथित तौर पर न्यूयॉर्क में प्रमुख हेज फंड सीईओ से मुलाकात की थी। उन्होंने कहा कि 'मैं रेस में दौड़ रही हूं, और मैं आपका समर्थन मांग रही हूं।'

नवाज का दावा: पाकिस्तान दुनिया से बहुत पीछे, आसान नहीं हैं हालात सुधारना

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने दावा किया है कि दुनिया में कई देश बहुत तेजी से आगे बढ़ रहे हैं लेकिन पाकिस्तान काफी पिछड़ गया है। हालात इतने ज्यादा खराब हैं कि पटरी पर लाना काफी कठिन होगा। पूर्व पीएम ने अपने कार्यकाल का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी सरकार ने न केवल पाकिस्तानी रुपए को डॉलर के मुकाबले 104 तक सीमित कर दिया था, बल्कि कैश की कमी वाले देश से बिजली कटौती को भी खत्म कर दिया था। उन्होंने नाम लिए बिना पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पीटीआई और उसके संस्थापक इमरान खान पर ताजा हमला बोला और अफसोस जताया कि खैबर पख्तूनख्वा के लोगों ने एक 'झूठे' को वोट दिया।

नवाज शरीफ पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के शहर मनसेहरा में एनए-15 पर चुनाव लड़ रहे हैं। सोमवार को एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पाकिस्तान दुनिया में पिछड़ गया है और देश का पुनर्निर्माण करना होगा। नवाज का ये बयान तब आया जब पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी और पाकिस्तान मुस्लिम लीग (पीएमएल) सहित अन्य पार्टियां चुनावी प्रचार तेजी से कर रही हैं।पाकिस्तान के नेता 24 करोड़ की आबादी वाले मुल्क की आवाम को लुभाने के लिए जमकर चुनावी प्रचार कर रहे है। 2013 के चुनावों को याद करते हुए नवाज ने कहा कि जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (जेयूआई-एफ) प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने केपी में गठबंधन सरकार बनाने के लिए उनसे संपर्क किया था, हालांकि, उनकी संख्या के कारण उन्होंने सरकार बनाने से मना कर दिया। पीएमएल-एन के सुप्रीमो ने 2013 से जनवरी 2023 तक प्रांत पर शासन करने वाली पार्टी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि इन लोगों ने इस प्रांत को बर्बाद कर दिया है। मैं केपी के लोगों से पूछता हूं कि पीटीआई ने अपने 10 साल के शासन के दौरान क्या किया।

इजरायल ने खान यूनिस शहर में किया चौतरफा हमला, 190 की मौत

यरुशलम (एजेंसी)। गाजा के खान यूनिस शहर पर इजरायल ने चौतरफा हमला किया। जल,थल और नभ से हुए हमले में 190 लोगों की मौत हो गई है। गाजा के स्वास्थ्य विभाग के अनुसार इजरायली सेना एंबुलेंस रोक रही है, जिसके कारण मृतकों और घायलों तक पहुंचना मुश्किल हो गया है। शहरों में रहने वाले लोगों का कहना है कि इजरायली सेना आकाश, जमीन और समुद्र से हमले कर रही है जिसके कारण बड़ी संख्या में निर्दोष लोग मारे जा रहे हैं। इजरायली हमलों में सोमवार को 190 लोग मारे गए जबकि 340 घायल हुए हैं। गाजा में मरने वालों की कुल संख्या 25,295 हो गई है।

शहर में चल रही लड़ाई के चलते अस्पताल से बाहर निकलना संभव नहीं है। इसलिए जो वहां आ रहा है, वहीं रुक जा रहा है। अस्पताल में फंसे एक शख्स ने बताया कि रविवार-सोमवार की रात बड़ी भयावह थी। इजरायली सेना की गोलाबारी एक भी मिनट के लिए नहीं रुकी। इसके कारण जान-माल का

भारी नुकसान होने की आशंका है। इजरायली संसद में चल रही बैठक के बीच पहुंचकर एक महिला ने अपने परिवार के बंधक तीन लोगों की रिहाई के लिए कुछ भी करने का आग्रह किया है। इस महिला के साथ बंधकों के 20 अन्य रिश्तेदार भी संसद परिसर में पहुंचे थे। हमास ने इन 130 बंधकों की रिहाई के लिए स्थायी युद्धविराम और इजरायली जेलों में बंद सभी फलस्तीनियों की रिहाई की मांग रख दी है जिसे इजरायल सरकार ने अस्वीकार कर दिया है।

इजरायली सैनिकों ने भूमध्य सागर के किनारे बसे अल-मवासी शहर के अल-खैर अस्पताल में छापेमारी कर वहां के मेडिकल स्टाफ को गिरफ्तार कर लिया। इस अस्पताल पर आतंकियों की मदद करने का आरोप है। अस्पताल के मरीजों की स्थिति के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल रही है। इजरायली सेना अल-खैर अस्पताल के बारे में कोई जानकारी नहीं दे रही है। लेकिन उसने कहा है कि हमास के आतंकी अस्पताल के भीतर और बाहर से सैनिकों पर हमले कर रहे हैं जिसके कारण वहां पर लड़ाई हो रही है। खान यूनिस, जहां पर पिछले कई हफ्तों से भीषण लड़ाई चल रही है। वहां पर बड़ी संख्या में लोग घायल हो रहे हैं। लेकिन वहां केवल नासेर अस्पताल ही कार्य कर रहा है। उसमें बड़ी संख्या में घायल लाए जा रहे हैं। इन घायलों के लिए अस्पताल में जगह नहीं बची है, इसलिए कारिडोर-बरामदों में जमीन पर ही घायलों का इलाज हो रहा है। अस्पताल में इलाज के दौरान मरने वालों को परिसर में पड़ी खाली जगह में ही दफनाया जा रहा है।

अफगानिस्तान को भुखमरी से उबारने भारत ने भेजीं मदद

काबुल। लंबे समय से हिंसा व आतंकवाद का शिकार रहा भारत का पड़ोसी देश अफगानिस्तान इस समय भुखमरी से जूझ रहा है। यहां पर बुरी तरह से तमाम फसलों की बर्बादी हो चुकी है। ऐसे में भारत ने मदद का हाथ बढ़ाया है। इसके लिए भारत ने खेती की जरुरी दवाई उपलब्ध कराई है। इसके पहले ट्रकों में भरकर अनाज भी भेजा जा चुका है। अब भारत ने अब कीटनाशक दवाएं भेजी हैं ताकि फसलों को सुरक्षित रखा जा सके। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने ईरान के चाबहार बंदरगाह के जरिए अफगानिस्तान को 40,000 लीटर मैलाथियान भेजा है। बता दें कि मैलाथियान एक कीटनाशक दवा है। इस दवा का इस्तेमाल आमतौर पर मच्छरों और विभिन्न प्रकार के कीड़ों को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है जो फलों, सब्जियों, पौधों और झाड़ियों पर हमला करते हैं। जानकारों की मानें तो इस कीटनाशक दवा का इस्तेमाल टिड्डियों के खतरे से लड़ने के लिए ज्यादातर किया जाता है। हालांकि मैलाथियान एक ईको-फ्रेंडली कीटनाशक है और सूखे इलाकों के लिए सबसे ज्यादा सही मानी जाती है। अफगान कृषि और सिंचाई मंत्रालय के अनुसार, भारत की ये मदद अफगानिस्तान और मध्य एशिया में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करेगी। अफगान मंत्रालय ने इस मदद के लिए भारत के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि भारत की मदद से देश के भीतर टिड्डियों से लड़ने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान से आने वाली टिड्डियों को अब पूरी तरह से रोका जा सकेगा। गौरतलब है कि अफगानिस्तान से अमेरिकी के जाने और तालिबान की वापसी के बाद से भारत वहां के लोगों की लगातार मदद कर रहा है।

चीन की गोदी में बैठे राष्ट्रपति मोइज्जू, भारत के साथ खत्म किया यह समझौता

माले (एजेंसी)। भारत के साथ चल रहे विवाद के बीच मालदीव ने एक और नापाक चाल चल दी है। मालदीव ने भारत के साथ समुद्री सर्वेक्षण के समझौते को खत्म करने के बाद चीन के साथ हाथ मिलाया है। मालदीव और चीन मिलकर अब हिंद महासागर का सर्वेक्षण करने और इसके लिए चीनी सेना का जासूसी जहाज शियांग यांग होंग 03 आगामी 30 जनवरी को मालदीव की राजधानी माले पहुंच रहा है। इसके पहले श्रीलंका ने चीन के जासूसी जहाजों को अनुमति देने से मना कर दिया था। वहीं मालदीव के भारत विरोधी राष्ट्रपति मोहम्मद मोइज्जू ने इस पूरे मामले पर चुप्पी साध रखी है। इस बीच लक्षद्वीप विवाद के ठीक बाद अब चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की कम्युनिस्ट पार्टी की अंतरराष्ट्रीय विभाग की उप मंत्री सुन हैयान माले पहुंची हैं और मुइज्जू के साथ मुलाकात की है।

माना जा रहा है कि सुन हैयान के इस दौरे के जरिए चीन ने मालदीव को समर्थन और भारत को संदेश देने की कोशिश की है। सुन हैयान का अचानक से यह दौरा तब हुआ है जब अभी कुछ दिन पहले ही मुइज्जू चीन का दौरा करने के बाद लौटे हैं। मुइज्जू ने चीन के राष्ट्रपति के साथ मुलाकात की थी और कई समझौतों पर हस्ताक्षर किया था। इन समझौतों के डिटेल को अभी तक सार्वजनिक नहीं किया गया है। मालदीव और चीन दोनों ने ही रणनीतिक संबंधों को नई ऊंचाई पर ले जाने पर सहमति जताई थी।

रिपोर्ट के मुताबिक इससे पहले मालदीव के समुद्री संसाधन मंत्री अहमद शियाम चीनी जासूसी जहाज के पहुंचने की खबर का खंडन किया था। चीन का यह जासूसी शोध जहाज 100 मीटर लंबा है और 4500 टन वजनी है। यह जहाज मिसाइलों को ट्रैक करने के साथ-साथ समुद्र के अंदर छिपे प्राकृतिक संसाधनों का पता लगाने में माहिर है। विश्लेषकों का कहना है कि इस जासूसी जहाज के जरिए चीन सबमरीन के लिए रास्ता तैयार रहा है और आने वाले दौर में चीन की पनडुब्बियां हिंद महासागर में गश्त तेज करेंगी। माना जा रहा है कि चीन मालदीव के साथ मिलकर लक्षद्वीप के पास सर्वे की तैयारी कर रहा है।

छत्तीसगढ़ में आप को बड़ा झटका, 500 से अधिक कार्यकर्ता भाजपा में शामिल

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आम आदमी पार्टी (आप) को उस समय बड़ा झटका लगा, जब मंगलवार को उसके 500 से अधिक पार्टी कार्यकर्ता सामूहिक रूप से इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल हो गए। यह सामूहिक पलायन इस महीने की शुरुआत में आप की छत्तीसगढ़ इकाई के प्रमुख कोमल हुपेंडी और छह अन्य प्रमुख सदस्यों के इस्तीफे के बाद हुआ है। दलबदलुओं ने भाजपा में जाने का कारण आप के नेतृत्व से मोहभंग और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास और राष्ट्रवादी एजेंडे की प्रशंसा बताया। उन्होंने राष्ट्रीय आस्था के प्रतीक के रूप में अयोध्या में राम मंदिर की स्थापना की सराहना की और भाजपा के शासन रिकॉर्ड की सराहना की। इस कदम को राज्य इकाई की चिंताओं और चुनावी रणनीति के प्रति आप के शीर्ष नेतृत्व की कथित उदासीनता की प्रतिक्रिया के रूप में देखा जा रहा है। हुपेंडी, जो 2016 से पार्टी के साथ थे, ने 2023 के विधानसभा चुनावों के दौरान केंद्रीय नेतृत्व से समर्थन की कमी पर निराशा व्यक्त की। सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ने की प्रारंभिक योजना के बावजूद, आप ने केवल 54 निर्वाचन क्षेत्रों में अपने उम्मीदवार उतारे और एक भी सीट सुरक्षित करने में विफल रही, केवल 1 प्रतिशत से कम वोट शेयर हासिल किया।

डायमंड कारोबारी मुकेश पटेल ने रामलला को भेंट किया 11 करोड़ का मुकुट

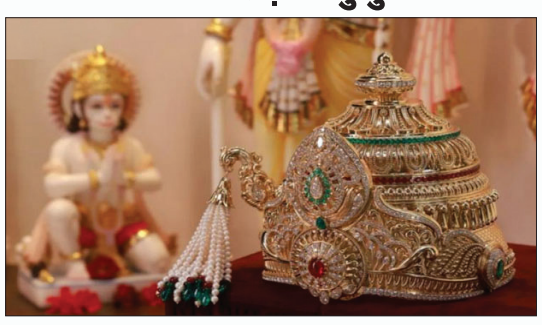

सूरत। गुजरात के डायमंड कारोबारी मुकेश पटेल ने रामलला को 11 करोड़ रुपये कीमत का मुकुट भेंट किया है। उन्होंने परिवार संग पहुंचकर यह भेंट अयोध्या मंदिर को की है। गौरतलब है कि प्रदेश और अयोध्या समेत पूरे देश के लिए 22 जनवरी का दिन ऐतिहासिक रहा, 5 शताब्दियों के बाद प्रभु श्रीराम अपने भव्य और दिव्य राम मंदिर में विराजमान हुए। इधर अयोध्या में राम जन्मभूमि पर बने भगवान श्री राम के मंदिर के लिए सूरत के डायमंड कारोबारी ने 11 करोड़ रुपए की कीमत का एक मुकुट दान किया है। मुकुट दान करने के लिए डायमंड कारोबारी अपने परिवार समेत खुद अयोध्या धाम राम मंदिर पहुंचे थे। मिली जानकारी के अनुसार सूरत के डायमंड कारोबारी मुकेश पटेल ने अपनी ग्रीन लैब डायमंड कंपनी में ही सोना, डायमंड, और नीलम जड़ित कुल 6 किलो वजन वाला भगवान रामलला के लिए मुकुट तैयार करवाया था। 11 करोड़ की कीमत से बने मुकुट को भेंट करने के लिए डायमंड कारोबारी मुकेश पटेल परिवार के साथ रामलला मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह से एक दिन पहले ही अयोध्या पहुंच गए थे। उन्होंने मंदिर के मुख्य पुजारी को गर्भ गृह में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट को भगवान श्री रामलला के लिए तैयार किए गए सोने और अन्य आभूषण जड़ित मुकुट को अर्पित किया था। इस दौरान विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय खजांची दिनेश भाई नावडिया ने बताया कि ग्रीन लैब डायमंड कंपनी के मालिक मुकेश भाई पटेल ने अयोध्या के विश्व प्रसिद्ध नवनिर्मित मंदिर में भगवान श्रीराम के लिए कुछ आभूषण अर्पण करने के बारे में सोचा था। परिजनों और कंपनी में परामर्श करने के बाद तय किया कि भगवान श्री राम के लिए सोना और अन्य रत्नों से जड़ित मुकुट अर्पण किया जाएगा। इसके लिए भगवान रामलला की मूर्ति के मुकुट के माप के लिए कंपनी के दो कर्मचारी अयोध्या भेजे गए थे। जो मूर्ति का माप लेकर सूरत आए और उसके बाद मुकुट बनाने का काम शुरू किया गया। कुल 6 किलो वजन के इस मुकुट में 4 किलो सोना उपयोग हुआ है। मुकुट में छोटे-बड़े साइज के डायमंड, माणिक, मोती और नीलम जैसे रत्न करीने से जड़े गए हैं।

बधाई हो : कूनो में ज्वाला के घर तीन शावकों ने लिया जन्म

नई दिल्ली। बधाई हो...नामीबिया से आई ज्वाला ने तीन शावकों को जन्म दिया। इस खबर से पूरे कूना में उत्साह है। मेडिकल टीम के मुताबिक, नवजात शावकों की हेल्थ कंडीशन ठीक है और उनकी देखभाल की जा रही है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने इसका वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर शेयर किया है। गौरतलब हो, बीते दिनों मादा चीता आशा ने भी 3 शावकों को जन्म दिया था। पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा कूनो के नए शावक, ज्वाला नाम की नामीबियाई चीता ने तीन शावकों को जन्म दिया है, यह नामीबियाई चीता आशा द्वारा अपने शावकों को जन्म देने के कुछ ही सप्ताह बाद एक और गुड न्यूज है। सभी वन्यजीव वन्यजीव प्रेमियों को बधाई। भारत में इसी तरह से वन्य जीवन बढ़ता रहे। प्रोजेक्ट चीता सफल हो। जानकारी के अनुसार, इससे पहले इससे पहले मार्च 2023 में मादा चीता ज्वाला ने चार शावकों को जन्म दिया था, लेकिन एक ही शावक जिंदा बच पाया। तब कूनो प्रबंधन ने शावकों की मौत की वजह भीषण गर्मी को बताया था। ज्वाला को पहले शियाया के नाम से जाना जाता था बाद में इसका नाम ज्वाला रखा गया था। कूनो नेशनल पार्क में पिछले 1 महीने में अबतक 6 शावकों का जन्म हो चुका है। नामीबिया से आई मादा चीता ज्वाला ने 3 शावकों को जन्म दिया है। जबकि, बीते दिनों मादा चीता आशा ने भी 3 शावकों को जन्म दिया था। 3 जनवरी को मादा चीता आशा ने 3 शावकों को जन्म दिया है। इनमें से सभी चीते स्वस्थ हैं और केएनपी की टीम उनकी खास देखभाल कर रही है।

उत्तर भारत में पांच दिनों तक जारी रहेगा घना कोहरा

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि अगले 4-5 दिनों के दौरान उत्तर भारत में घने कोहरे की स्थिति जारी रहने की संभावना है, जबकि अगले तीन दिनों के दौरान उत्तर भारत में अधिक ठंडे दिन की स्थिति बनी रहने और उसके बाद तीव्रता में कमी आने की संभावना है। आईएमडी ने अपने दैनिक बुलेटिन में कहा कि उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में समुद्र तल से 12.6 किमी ऊपर 130-150 समुद्री मील की जेट स्ट्रीम हवाएं चल रही हैं। आईएमडी ने कहा, इससे ठंडी हवाएं नीचे आ रही हैं और उत्तर भारत में ठंडे दिन की स्थिति बढ़ रही है। अगले 3-4 दिनों के दौरान जेट स्ट्रीम की इसी तरह की तीव्रता जारी रहने की संभावना है। ताजा पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से गुरुवार से रविवार तक पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में छिटपुट बारिश/बर्फबारी होने की संभावना है। आईएमडी ने चेतावनी दी कि पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में शनिवार सुबह के लिए घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। सोमवार रात और शनिवार सुबह के बीच दिल्ली में अलग-अलग स्थानों पर घने कोहरे की स्थिति होने की संभावना है। राजस्थान के अलग-अलग हिस्सों में शुक्रवार सुबह तक और उत्तरी मध्य प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में बुधवार सुबह के लिए घने कोहरे की स्थिति बने रहने की संभावना है। आईएमडी ने कहा, अगले पांच दिनों के दौरान देश के बाकी हिस्सों में न्यूनतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण बदलाव होने की संभावना नहीं है। मंगलवार तक पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और उत्तरी राजस्थान के अलग-अलग इलाकों में शीत लहर चलने की संभावना है।

इंडिगो की फ्लाइट में आई गड़बडी...वापस जयपुर लौटी

जयपुर। एयरलाइन ने कहा कि जयपुर से कोलकाता जाने वाली इंडिगो की एक उड़ान तकनीकी खराबी के कारण जयपुर लौट आई। इंडियो की फ्लाइट कोलकाता जा रही थी तभी तकनीकी खराबी का पता चला। इंडिगो के प्रवक्ता ने कहा, पायलट ने मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन कर जयपुर वापस उतर गया। विमान को जयपुर हवाई अड्डे पर विस्तृत मूल्यांकन और मरम्मत के लिए भेजा गया था। यात्रियों के लिए वैकल्पिक उड़ान की व्यवस्था की गई। कथित तकनीकी समस्याओं के कारण विमान ने अपना मार्ग बदल लिया, जिससे विमान में सवार लगभग 180 यात्रियों को तनावपूर्ण स्थिति का सामना करना पड़ा। इंडिगो के प्रवक्ता ने कहा कि तकनीकी समस्याओं के कारण उड़ान अप्रत्याशित रूप से दिल्ली हवाई अड्डे पर लौट आई, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पूरी घटना के दौरान यात्री सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रही। तकनीकी गड़बड़ी की प्रकृति का अभी तक खुलासा नहीं हुआ है, क्योंकि एयरलाइन गहन जांच करने के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ सक्रिय रूप से काम कर रही है।

'देश को 2024 में फिर से पीएम मोदी की जरूरत', जेपी नड्डा बोले- कांग्रेस ने सिर्फ वोटबैंक की राजनीति की

गांधीनगर (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल के साथ गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र में पार्टी कार्यालय का उद्घाटन किया। इस दौरान जेपी नड्डा ने कहा कि मुझे विश्वास है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में हम न सिर्फ जीतेंगे बल्कि पहले से ज्यादा सीटें भी हासिल करेंगे। गुजरात में हम सभी 26 सीटें जीतेंगे। उन्होंने कहा कि अहमदाबाद में गांधीनगर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र कार्यालय का उद्घाटन करना गुजरात के सभी हिस्सों में विकास सुनिश्चित करने की हमारी पार्टी की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। हम गुजरात को प्रथम रखना चाहते हैं और पीएम मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में हम भारत को प्रथम बनाना चाहते हैं!

नड्डा ने कहा कि इस देश के सांस्कृतिक, धार्मिक, आध्यात्मिक और राजनीतिक विरासत में गुजरात प्रदेश का एक अनूठा योगदान है। आजादी की लड़ाई से लेकर आजाद भारत में भी गुजरात का एक विशेष योगदान रहा है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का संबंध भी गुजरात के पोरबंदर से था। वहीं, इस देश को एक सूत्र में पिरोने का काम सरदार वल्लभ भाई पटेल ने किया। उन्होंने कहा कि आज विकसित भारत को आगे बढ़ाने का काम, सक्षम बनाने का काम, स्वाभिमान से ओत-प्रोत बनाने का काम, देश की विरासत को स्वाभिमान से आगे बढ़ाने का काम... अगर किसी ने किया है तो इस देश के सपूत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मोदी जी ने देश की राजनीति की संस्कृति को बदल डाला है, क्योंकि 70 साल तक कांग्रेस पार्टी ने राजनीति जाति के आधार पर की। भाई को भाई से बांटकर की, सिर्फ वोटबैंक की राजनीति की। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने कहा कि भारत में सिर्फ 4 जातियां हैं- गरीब, युवा, किसान और महिलाएं। जबकि कांग्रेस ने वोटबैंक के लिए जातियों में बांट दिया था। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी जी के नेतृत्व में भारत तेज गति से विकास कर रहा है। 2014 में अर्थव्यवस्था में हम 11वें नंबर पर थे, आज हम ब्रिटेन को पछाड़कर 5वें नंबर की अर्थव्यवस्था बन गए हैं।

नड्डा ने कहा कि हमारी सरकार की पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना, एक ऐसी योजना जिसका कांग्रेस पार्टी ने मजाक उड़ाया था, आईएमएफ जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों द्वारा इसकी सराहना की जा रही है। कांग्रेस ने आरोप लगाने और चिल्लाने के अलावा कुछ नहीं किया और केवल भाजपा ने ही सही मायने में विकास सुनिश्चित किया है। आज, लगभग 80 करोड़ गरीबों को मुफ्त राशन मिल रहा है, और 'अंत्योदय' को एक मिशन और विजन के रूप में, भारत अभूतपूर्व परिवर्तन देख रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे में हमारे देश को 2024 में फिर से पीएम मोदी की जरूरत है! इस प्रकार, हमारे देश को 2024 में फिर से भाजपा की आवश्यकता है! यदि हम 2047 तक 'विकसित भारत' के निर्माण के सपने को साकार करना चाहते हैं, तो हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि 2024 में 'कमल' फिर से खिले!

बीजेपी का मिशन बिहार, 4 फरवरी को बेतिया में जनसभा करेंगे पीएम मोदी, 30 को कटिहार में जाएंगे जेपी नड्डा

नई दिल्ली। बिहार में राजनीतिक उठापटक के बीच भाजपा अपनी तैयारी में जुट गई है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कार्यक्रम 4 फरवरी को बेतिया में होगा। इससे पहले यह कार्यक्रम 27 फरवरी को होना था लेकिन अब इस दौरे को 4 फरवरी को कर दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे को लेकर अब तक दो बार बदलाव हो गया है। सबसे पहले प्रधानमंत्री 13 जनवरी को जाने वाले थे। उसके बाद इस तारीख को 27 किया गया था। लेकिन आप प्रधानमंत्री का दौरा 4 फरवरी को होगा। प्रधानमंत्री अपने इस दौरे के दौरान बिहार को कई बड़ी परियोजनाओं की सौगात दे सकते हैं। मोदी इसके जरिए लोक सभा चुनाव को लेकर बिहार में भाजपा की तैयारी की भी शुरुआत कर सकते हैं। बिहार में मोदी के दौरे को बार-बार स्थगित किए जाने को लेकर भी कई तरह की चर्चाएं हो रही हैं। दावा किया जा रहा है कि बिहार में नीतीश कुमार कुछ बड़ा करने वाले हैं। शायद इसी वजह से भाजपा बार-बार प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में बदलाव कर रही है। खबर है कि एनडीए की और नीतीश कुमार रुख कर सकते हैं। शायद इस कारण से भी यह सब चीज हो रही हैं। लेकिन बिहार में भाजपा अपने तैयारी में लगी हुई है। जानकारी के मुताबिक के 25 जनवरी से लेकर चुनाव घोषित होने तक बीजेपी बिहार में 10 बड़ी रैली का आयोजन करने जा रही है। इसी कड़ी में 30 जनवरी को कटिहार में पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा जनसभा को संबोधित करेंगे। इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अमित शाह भी बिहार का दौरा कर सकते हैं। बिहार में पिछले कई दिनों से राजनीतिक हलचल लगातार जारी है। इन सब के बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अचानक की बिहार के राज्यपाल से मिलने के लिए राज्य भवन पहुंचे थे। इस दौरान उनके साथ जदयू के वरिष्ठ नेता विजय चौधरी भी मौजूद रहे।

शर्मिला ने राज्य के दौरे के साथ आंध्र में शुरू किया अपना अभियान, जगन ने सबसे पहले बहन पर कटाक्ष किया

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) की नवनियुक्त अध्यक्ष वाईएस शर्मिला ने मंगलवार को राज्य का तूफानी दौरा शुरू किया, जो विधानसभा और लोकसभा चुनावों से पहले कांग्रेस द्वारा शुरू किए जाने वाले जोरदार अभियान की एक झलक है। शर्मिला एपीसीसी प्रमुख का पदभार संभालने के तुरंत बाद अपने भाई और मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी पर निशाना साधा और उन पर राज्य को वित्तीय संकट में ले जाने का आरोप लगाया, अपने दिवंगत पिता और पूर्व कांग्रेस सीएम के नक्शेकदम पर चलेंगे। . वाई एस राजशेखर रेड्डी, जिन्हें वाईएसआर के नाम से जाना जाता है, और जगन, जिन्होंने उनसे पहले राज्य में %पदयात्रा% की थी।

अपने नौ दिवसीय दौरे पर शर्मिला एक काफिले में यात्रा करेंगी और श्रीकाकुलम जिले के इच्छापुरम से वाईएसआर कडपा जिले के इडुपुलापाया तक राज्य के सभी 26 जिलों को कवर करेंगी। उन्होंने मंगलवार को पलासा से इच्छापुरम तक राज्य परिवहन की बस में यात्रा शुरू की, जहां वह उनके काफिले में शामिल हुईं। उनके साथ तेलंगाना प्रदेश समिति के पूर्व प्रमुख माणिकराव ठाकरे और पूर्व एपीसीसी अध्यक्ष गिदुगु रुद्र राजू और रघुवीरा रेड्डी भी हैं। अपनी बहन को एपीसीसी अध्यक्ष नियुक्त किए जाने के बाद पहली बार बोलते हुए, जगन ने उन पर निशाना साधने के लिए तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू के कंधे का इस्तेमाल किया। चंद्रबाबू नायडू के पास कई स्टार प्रचारक और समर्थक हैं। चंद्रबाबू के कुछ स्टार प्रचारक अब उस पार्टी (कांग्रेस) में हैं, जिसने आंध्र प्रदेश को विभाजित किया था।

जगन अनंतपुर जिले के उरावकोंडा में एक सार्वजनिक बैठक में बोल रहे थे, जहां उन्होंने मंगलवार को महिलाओं के लिए आसरा पेंशन का वितरण किया। 51 वर्षीय शर्मिला, जिन्होंने अतीत में जगन और सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के पक्ष में कई राज्य दौरे और पदयात्राएं पूरी की हैं, इस यात्रा का उपयोग एक मजबूत प्रभुत्व वाले राज्य में अपने और कांग्रेस के लिए कुछ राजनीतिक जगह बनाने की उम्मीद कर रही होंगी।

सियासी उटापटक के बीच अचानक राजभवन पहुंचे नीतिश

पटना (एजेंसी)। बिहार में पिछले कई दिनों से राजनीतिक हलचल जारी है। इस बीच मंगलवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अचानक की बिहार के राज्यपाल से मिलने के लिए राज्य भवन पहुंच चुके हैं। इस मौके पर उनके साथ जदयू के वरिष्ठ नेता विजय चौधरी भी मौजूद रहे। हालांकि, राजभवन पहुंचने से पहले नीतीश कुमार एक सरकारी कार्यक्रम में पहुंचे थे। अब बड़ा सवाल यह है कि आखिर नीतीश कुमार क्या करने वाले हैं, क्योंकि बिहार में लगातार राजनीतिक हलचल तेज है। दावा किया जा रहा था कि नीतीश एनडीए में शामिल हो सकते हैं।

चर्चा यहां भी हैं कि नीतीश विधानसभा भंग कर फिरसे चुनाव में जा सकते हैं। कुल मिलाकर बिहार की राजनीतिक हलचल फिलहाल तेज है। आगे क्या होगा इस लेकर सभी के सामने कई बड़े सवाल है। इसके पहले राष्ट्रीय जनता दल और जनता दल-यूनाइटेड के बीच बढ़ते तनाव की खबरों के बीच, राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव के साथ सीएम नीतीश कुमार के साथ उनके आवास पर बैठक की थी। लालू अचानक ही नीतीश से मिलने के लिए उनके आवास पर पहुंचे थे। दोनों नेताओं के बीच बैठक लगभग एक घंटे तक चली है। यह बैठक उस समय में हो रही थी, जब दोनों ही दलों के बीच सीट बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा है।

नीतीश ने अपने मंत्रिमंडल में फेरबदल कर अपने सहयोगी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के तीन मंत्रियों के विभाग बदल दिए। अलग-अलग कारणों से सुर्खियों में रहे शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर को गन्ना उद्योग मंत्री बनाया गया है। वहीं अभी तक गन्ना उद्योग और राजस्व एवं भूमि संसाधन विभाग संभालने वाले आलोक मेहता को राज्य का नया शिक्षा मंत्री बनाया गया। राजस्व और भूमि संसाधन विभाग ललित कुमार यादव को सौंपा गया है, जो जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की अपनी मौजूदा जिम्मेदारी को भी संभालते रहेंगे।

गृह मंत्रालय की टीम मणिपुर दौरे पर, सरकारी अधिकारियों व नेताओं से की मुलाकात

इंफाल (एजेंसी)। गृह मंत्रालय की टीम इन दिनों मणिपुर दौरे पर है। मंत्रालय के सलाहकार ए.के. मिश्रा के नेतृत्व में तीन सदस्यीय केंद्रीय टीम सोमवार को मणिपुर पहुंची और सरकारी अधिकारियों व विभिन्न संगठनों के नेताओं मिलीं। अधिकारियों ने बताया कि मिश्रा इंटेलिजेंस ब्यूरो के दो संयुक्त निदेशक मनदीप सिंह तुली और राजेश कुंबले के साथ यहां पहुंचे। अपने आने के तुरंत बाद उन्होंने सरकारी अधिकारियों और विभिन्न संगठनों के नेताओं और निर्वाचित नेताओं के साथ कई बैठकें की। एक अधिकारी ने इन बैठकों के बारे में ज्यादा जानकारी देने से इनकार करते हुए बताया, कि गृह मंत्रालय की टीम ने महिला संगठनों और कुछ निर्वाचित नेताओं सहित कुछ मैतेई संगठनों के साथ बैठकें कीं और मणिपुर के मौजूदा हालात पर चर्चा की। गौरतलब है कि हिंसा प्रभावित मणिपुर में गृह मंत्रालय की टीम का दौरा महत्वपूर्ण है, क्योंकि कुछ संगठनों ने धमकी दी है कि अगर सरकार उग्रवादियों और म्यांमार से आए प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो बड़े पैमाने पर आंदोलन शुरू की तैयारी की जा सकती है।

हालांकि उग्रवादियों ने पिछले कुछ दिनों में हमले कर सात लोगों की हत्या कर दी है, जिनमें दो मणिपुर पुलिस कमांडो, चार ग्रामीण और एक ग्राम रक्षा स्वयंसेवक शामिल हैं। इस बीच मणिपुर में 34 विधायकों, जिनमें से ज्यादातर सत्तारूढ़ भाजपा के हैं, ने केंद्र सरकार से सशस्त्र उग्रवादी संगठनों के साथ ऑपरेशन के निलंबन (एसओओ) को रद्द करने का आग्रह किया है, अन्यथा विधायक परामर्श से उचित कार्रवाई करेंगे। रविवार को हुई बैठक में 34 विधायकों ने यह प्रस्ताव लिया, जिसमें केंद्र सरकार से केंद्र और राज्य सरकारों और 2008 में 23 कुकी उग्रवादी संगठनों के बीच हस्ताक्षरित एसओओ को निरस्त करने का अनुरोध किया गया। इस समय 2,266 कुकी निर्वासित हैं और मणिपुर में विभिन्न नामित शिविरों में रह रहे हैं।

ममता ने बंगाल में कांग्रेस और वामदलों को दिखा दी जगह

-बंगाल में फंटफुट पर खेलना चाहती हैं दीदी

कोलकाता (एजेंसी)। विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया ब्लॉक के भीतर सीट बंटवारे को लेकर आंतरिक कलह खत्म बनी हुई है। इस बीच, टीएमसी प्रमुख और राज्य की सीएम ममता बनर्जी ने फिर साफ कर दिया है कि वे पश्चिम बंगाल में अपने गढ़ को ना कमजोर होने देना चाहती हैं और ना किसी दूसरे दल को अपना वोट बैंक देने के मूड में हैं। इसकारण ममता इंडिया के सहयोगी कांग्रेस और वाम मोर्चे को नसीहत देते नजर आईं। इसके साथ ही दोनों दलों को आइना भी दिखाया है।

ममता ने कांग्रेस के सामने सीट शेयरिंग का नया फॉर्मूला दिया है। ममता ने बीजेपी को मात देने के लिए खास इलाकों में स्थानीय पार्टियों को कमान देने की वकालत की है। ममता ने सुझाव भी दिया कि कांग्रेस चाहे तब अपने दम पर 300 लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ सकती है। हालांकि, राजनीतिक तौर पर

देखा जाए ममता का प्रस्ताव और शर्त इतनी आसान नहीं है।

दरअसल, बंगाल में सीट शेयरिंग पर पेंच फंसा हुआ है। आगामी आम चुनाव में बीजेपी से मुकाबला करने सत्तारूढ़ टीएमसी अलायंस को लीड करना चाहती है और सीट शेयरिंग में कांग्रेस, वाम मोर्चे को हद दिखाने से नहीं चूक रही है। सीपीएम के नेतृत्व वाला वाम मोर्चा, कांग्रेस और टीएमसी 28 पार्टियों वाले विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक का हिस्सा हैं। हालांकि, बंगाल में सीपीएम और कांग्रेस के नेता लगातार टीएमसी के खिलाफ हमलावर दिख रहे हैं।

टीएमसी ने 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के प्रदर्शन के आधार पर दो सीटों का ऑफर दिया है। कांग्रेस को यह प्रस्ताव नागवार गुजरा और दोनों पार्टियों के बीच तनाव बढ़ गया। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने सीधे टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी को निशाने पर लेकर कहा था कि वो टीएमसी से सीटों की भीख नहीं मांगने वाले है।

इधर, ममता की टिप्पणियों पर कांग्रेस और सीपीआई (एम) दोनों ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। पश्चिम बंगाल में कांग्रेस अध्यक्ष चौधरी ने कहा, हम टीएमसी नेतृत्व की सोच और इच्छा पर टिप्पणी नहीं करना चाहते हैं। उन्हें जो अच्छा लगता है,वहां करने दें। सीपीआई (एम) के सेंट्रल कमेटी के मेंबर सुजन चक्रवर्ती ने इस आरोप को निराधार बताया कि उनकी पार्टी इंडिया ब्लॉक की बैठकों के एजेंडे को नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है। पश्चिम बंगाल में सीपीआई (एम) के सचिव मोहम्मद सलीम ने कहा, यह लड़ाई सांप्रदायिक और कम्युनिस्टों के बीच है।

न्याय यात्रा में खलल, राहुल के खिलाफ सीएम ने दिए एफआईआर के निर्देश

नई दिल्ली, । राहुल गांधी की न्याय यात्रा में खलल आ गई है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं की झड़प के बाद सीएम हिमंत बिस्व ने एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। ?मिली जानकारी के अनुसार असम के गुवाहाटी में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच फिर झड़प हो गई। इस दौरान कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने लाठियां बरसाई। बताया जा रहा है कि राहुल गांधी शहर में यात्रा की इजाजत मांग रहे थे, लेकिन इजाजत न मिलने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस में जबरदस्त झड़प हो गई। इसके बाद असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने डीजीपी से बात कर राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ये असमिया संस्कृति का हिस्सा नहीं हैं। हम एक शांतिपूर्ण राज्य है। ऐसी नक्सली रणनीति हमारी संस्कृति से पूरी तरह अलग हैं। इस मामले में पुलिस ने बताया कि शहर में यात्रा की इजाजत नहीं है, जबकि राहुल गांधी की यात्रा शहर? के अंदर की तरफ बढ़ रही थी। इसी वजह से रोड पर बाद में पुलिस ने बैरिकेड्स लगा दिए थे और इसी दौरान कांग्रेस नेता की बस के साथ चल रहे लोगों की पुलिस कर्मियों से झड़प हो गई।

हजारों की भीड़ जुटने के कारण फिलहाल राम मंदिर में प्रवेश बंद, आरएएफ तैनात

अयोध्या (एजेंसी)। आयोध्या के राम मंदिर में दर्शनार्थियों के लिए फिलहाल प्रवेश बंद कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार रामलला की भव्य प्राण प्रतिष्ठा के बाद मंगलवार सुबह से आम श्रद्धालुओं के लिए कपाट खोले गए थे, इसके बाद राम मंदिर में दर्शन के लिए हजारों की संख्या में भीड़ उमड़ आई। सुबह 7 बजे शुरू हुए दर्शनों के बाद भीड़ इतनी बढ़ गई कि वह उसे संभालना मुश्किल हो रहा था, इसके बाद यहां आरएएफ को जुटाया गया। इसके साथ ही यहां पर पैरा मिलिट्री फोर्स को भी व्यवस्था बनाने में लगाया गया है। जानकारी मिली की यहां करीब पौने नौ बजे मंदिर में प्रवेश बंद कर दिया गया, लेकिन बाहर निकलने का रास्ता खोला रखा गया। सभी दूर से बैरिकेटिंग लगाकर रास्ते को बंद किया गया है। लोगों को सिर्फ बाहर जाने दिया जा रहा है। भारी भीड़ के चलते फिलहाल अंदर जाने का रास्ता बंद कर दिया है।

अयोध्या के भव्य मंदिर में मंगलवार की सुबह जब आम श्रद्धालुओं के लिए रामलला के कपाट खुले तो आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह 3 बजे से ही लोग लाइन में खड़े हो गए थे। स्थिति यह हो गई कि मंदिर परिसर में तैनात सुरक्षा कर्मियों को हालात काबू में करना मुश्किल हो गए। इसके बाद रैपिड एक्शन फोर्स को मोर्चे पर लगाया गया। बावजूद भीड़ नियंत्रित नहीं हुई तो कण्ट्रोल रूम से अतिरिक्त पुलिस बल को बुलाया गया, ताकि स्थिति को संभाला जा सके।

यहां तक कि पुलिस भी मंदिर परिसर तक नहीं पहुंच पा रही है। दरअसल, श्रद्धालुओं को यह पता नहीं था कि मंदिर परिसर में क्या-क्या ले जा सकते हैं और क्या नहीं। लॉकर की व्यवस्था है, लेकिन आज की भीड़ को देखते हुए वह भी कम लग रहा है। स्थिति को संभालने में फोर्स जुटी है। भीड़ को देखते हुए दर्शन का समय भी बढ़ाया जा सकता है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद आज पहला दिन है, जिसके चलते भी भीड़ बहुत ज्यादा है। कई लोग ऐसे थे जो मोबाइल और अन्य सामान के साथ दर्शन करने पहुंच गए, जिन्हें बिना दर्शन के ही वापस लौटना पड़ा। स्थिति यह है कि यहां पर सामान रखने के लॉकर भी कम पड़ गए हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

किरण जेम्स कंपनी मुंबई शिफ्ट हो गई? डायमंड बुर्स के मीडिया कन्वीर ने दी यह जानकारी

बुनियादी ढांचे की कमी के कारण सूरत डायमंड बुर्स से वैश्विक स्तर पर व्यापार करना फिलहाल संभव नहीं

सूरत डायमंड बूर्स के मीडिया कन्वीनर दिनेश नावडिया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत को हीरों का विश्व व्यापार केंद्र बनाने का सपना लेकर एक महीने पहले सूरत शिफ्ट हुई हीरा उद्योग की सबसे बड़ी कंपनी किरण जेम्स की हालत एक ही महीने में बदल गई है। बुनियादी ढांचे की कमी के कारण सूरत डायमंड बुर्स से वैश्विक स्तर पर व्यापार करना फिलहाल संभव नहीं है, कंपनी ने मुंबई में कार्यालय फिर से खोलने का फैसला किया है। इससे यह चर्चा चल पड़ी है कि किरण जेम्स सूरत डायमंड बुर्स को छोड़कर हमेशा के लिए मुंबई जा रही है। मुंबई के बिना अंतरराष्ट्रीय हीरा व्यापार संभव नहीं है। जैसा कि दुनिया की सबसे बड़ी कार्यालय इमारत सूरत डायमंड बुर्स की सफलता के खिलाफ संदेह पैदा होने लगा है। इन चर्चाओं और अफवाहों का जवाब देते हुए, सूरत डायमंड बुर्स की मीडिया समिति के संयोजक दिनेश नावडिया ने आज सोशल मीडिया पर एक वीडियो संदेश पोस्ट किया।

दिनेश नावडिया ने क्या कहा? दिनेश नावडिया ने एक वीडियो संदेश में कहा है कि मई तक सूरत डायमंड बुर्स में ८० फीसदी ऑफिस खुल जाएंगे। इस समय ज्यादातर दफ्तरों में फर्नीचर का काम चल रहा है। चूंकि एक्सचेंज पूरी क्षमता से काम नहीं कर रहा है, इसलिए किरण जेम्स को व्यापार करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए १८ जनवरी की बैठक में समिति ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि किरण जेम्स को कुछ समय के लिए अपने मुंबई कार्यालय से व्यापार फिर से शुरूकरना चाहिए। तो आज से किरण जेम्स मुंबई में एक ऑफिस खोल रहे हैं। हालांकि, जैसे ही सूरत में डायमंड का कारोबार तेजी से बढ़ेगा, किरण जेम्स फिर से सूरत शिफ्ट हो जाएंगे

मुंबई आने वाले विदेशी खरीदार ट्रेन यात्रा से थक जाते है, किरण जेम्स के कर्मचारी मुंबई लौट आएंगे

मुंबई से १७००० करोड़ का कारोबार बंद कर सूरत डायमंड बुर्स में शिफ्ट होने वाले किरण जेम्स के वल्लभभाई लाखानी के बारे में चर्चा है कि वल्लभभाई का दिल टूट गया है, इतना ही नहीं बुर्स कमेटी के सदस्य भी उनका समर्थन नहीं कर रहे हैं। किरण जेम्स के १००० कर्मचारी जल्द ही मुंबई लौटेंगे क्योंकि कोई भी कंपनी मुंबई से काम बंद कर सूरत में काम शुरू करने के लिए आगे नहीं आएगी।

सूत्रों का कहना है कि बड़ी हीरा कंपनियों की नई पीढ़ी के सदस्यों को सूरत पसंद नहीं है, वे मुंबई की महानगरीय संस्कृति को छोड़ना नहीं चाहते हैं, जिससे झगड़े भी हो रहे हैं। वहीं, सरकार ने जो वादे किये थे, वे पूरे नहीं किये गये। अगर घरेलू और अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी और आतिथ्य के वादे पूरे नहीं हुए तो डर है कि डायमंड बुर्स अपनी चमक खो देगा। अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि मुंबई आने वाले विदेशी खरीदार भीड़-भाड़ वाली ट्रेन यात्राओं से थक जाते हैं।

भगवान राम की तरह तैयार होकर दूल्हा शादी के मंडप में पहुंचा,तो मेहमान हैरान रह गए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

२२ जनवरी को अयोध्या में भगवान श्री राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम संपन्न हुआ। पूरे देश में बहुत उत्साह और खुशी थी। जहां हर कोई इस पल का आनंद लेने के लिए उत्सुक था, वहीं सूरत के एक हीरा व्यापारी के बेटे ने इस अवसर को जीवन भर के लिए यादगार बनाने के लिए भगवान राजा श्रीराम के भेष में २२ जनवरी को शादी कर ली। जब दूल्हा भगवान राम की वेशभूषा में शादी के मंडप में पहुंचा तो मेहमान हैरान रह गए।

सूरत के एक हीरा व्यापारी का बेटा भगवान राम की पोशाक पहनकर शादी के मंडप में पहुंचा दूल्हा बने श्रीराम

सूरत में आयोजित विवाह समारोह में दूल्हे को भगवान राम के वेश चलते देखा गया। शादी हर किसी के जीवन में एक ऐसा पल होता है जिसे वो जीवन भर याद रखना चाहते हैं। २२ जनवरी के शुभ दिन उनकी शादी तय हुई, जिसके बाद पिता की इच्छा बेटे ने पूरी की। आर्थिक रूप से संपन्न परिवार के बेटे ने महंगे डिजाइनर कपड़े पहनने के बदले शादी के मंडप में भगवान राम की शोभा बढ़ाने वाली पोशाक पहनकर सनातन संस्कृति को आगे बढ़ाने का फैसला किया।

दूल्हे राज मोनपरा लेब्रोन डायमंड ज्वेलरी बनाने के व्यवसाय से जुड़े हैं। अपनी शादी के लिए डिजाइनर कपड़े तैयार किए थे। उनकी भावी पत्नी के लिए भी उनके साथ डिजाइनर कपड़े बनाए थे। लेकिन बेटा भगवान राम की तरह सिर पर मुकुट पहनकर हाथ में धनुष लेकर विवाह मंडप में दाखिल हुआ। दूल्हे को श्री राम के वेश में देखकर उपस्थित लोग आश्चर्यचकित रह गए और सभी रिश्तेदारों और मेहमानों ने राजा राम को प्रणाम किया।

शुभम जेम्स के मालिक दिनेश मोनपरा ने बताया कि मेरे बेटे की शादी ८ महीने पहले २२ जनवरी को तय हुई थी। लेकिन जब २२ जनवरी को अयोध्या में भगवान रामलला के प्राणप्रतिष्ठा मोहोत्सव की तारीख की घोषणा की गई तो हम सभी खुश थे। इस बात की अलग ही खुशी थी कि बेटे की शादी बहुत शुभ दिन पर हुई। मेरे बेटे राज ने शादी के दिन पहनने के लिए डिजाइनर कपड़े तय कर लिए थे। लेकिन पिछले दो-तीन दिनों में पूरे देश में भगवान राम के प्रति जिस तरह का सम्मान देखने को मिला और पूरा माहौल राममय हो गया। मैंने सोचा कि बहुत अच्छा होगा अगर मेरा बेटा राज भी राम बन जाए और विवाह समारोह में शामिल हो जाए। तुरंत ही डिजाइनर कपड़े एक तरफ छोडकर मेरा बेटा राम के रूप में तैयार होकर विवाह मंडप में दाखिल हुआ और विवाह समारोह पूरा किया।

प्रधानमंत्री मोदी और आरएसएस प्रमुख भागवत को सूरत के डी. खुशालभाई ज्वैलर्स द्वारा बनाए गए चांदी के मंदिर उपहार

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर दुनिया भर से आए उपहारों में से

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। २२ जनवरी को जब दुनिया के करोड़ों श्रद्धालु अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के साक्षी बने, तब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने प्रधानमंत्री नरेंद्रभाई मोदी और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को शुद्ध चांदी से बनी राम मंदिर की कलात्मक कलाकृति भेंट कर सम्मानित किया। ये पल सबसे बड़े लोक आकर्षण का केंद्र बने। इस उपहार को स्वीकार करते समय गंभीर दिख रहे मोदी के चेहरे की भावनात्मक मुस्कान पर भी सभी ने विशेष ध्यान दिया। इनमें से प्रत्येक चांदी के मंदिर का वजन तीन किलो है और इसका निर्माण सूरत स्थित प्रसिद्ध डी. खुशालभाई ज्वैलर्स द्वारा किया गया है। इस प्रतिष्ठित चांदी के मंदिर की इच्छा योगीजी ने व्यक्तिगत रूप से डी.खुशालभाई के प्रबंधक दीपकभाई चोकसी को बताई थी,

सरकार द्वारा गेहूं, गैर-बासमती चावल और चीनी के निर्यात पर लगाए प्रतिबंध को हटाने की मांग

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। भारत सरकार द्वारा गेहूं, गैर-बासमती चावल और चीनी के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया जिससे किसानों को उनकी उपज के अच्छे दाम नही मिल रहेए। इस लिए स्थानिय सहकारिता एवं किसान नेता तथा गुजरात प्रदेश कांग्रेस महासचिव दर्शन नायक द्वारा प्रतिबंध को हटाने के लिए प्रधानमंत्री, केन्द्रीय गृह, कृषी और उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री को दिया ज्ञापन है।

दर्श नायक ने ज्ञापन में कहा है कि भारत सरकार ने २०२२ से गेहूं, गैर-बासमती चावल और चीनी के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है।

भारत विश्व में गेहूँ का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। भारत हर साल औसतन २-५ मिलियन टन गेहूं निर्यात करता है। वर्ष २०२२ में भारत ने विभिन्न देशों को अनुमानित ५० लाख टन गेहूं का निर्यात किया। जिससे देश के किसानों को उनकी उपज के अच्छे दाम मिले। साथ ही भारत सरकार ने गैर-बासमती चावल और चीनी के निर्यात पर भी प्रतिबंध लगा दिया। इस प्रकार के प्रतिबंध के कारण देश के किसानों की उपज में कमी आयी है।

इसके अलावा, भारत दुनिया में चीनी का सबसे बड़ा उत्पादक और दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक है।

इसलिए चीनी निर्यात पर प्रतिबंध का असर देश के किसानों पर पड़ेगा। देश के किसानों को उनकी उपज के अच्छे दाम नहीं मिलेंगे। भारत सरकार ने चीनी पर लगे प्रतिबंध को भी साल २०२४ के लिए बढ़ा दिया है। इस प्रतिबंध के मद्देनजर, देश के किसानों को नुकसान उठाना पड़ेगा और उन्हें अपनी चीनी उपज के अच्छे दाम नहीं मिलेंगे। प्रतिबंध के कारण घरेलू बाजार में गेहूं और चीनी की आपूर्ति बढ़ जाएगी। जिससे कीमतें गिरेंगी और देश के किसानों को उनकी उपज के अच्छे दाम नहीं मिलेंगे।

गौरतलब है कि देश के किसान अपनी पैदावार को लेकर कई तरह की समस्याओं से परेशान हैं। जलवायु परिस्थितियों के कारण किसानों की उपज भी दिन-ब-दिन कम होती जा रही है। दूसरी ओर, उर्वरक की कीमत और उत्पादन लागत भी दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। अत: ऐसी स्थिति में यदि देश के किसानों को अपनी उपज का निर्यात करने की अनुमति नहीं दी जाएगी तो उन्हें अपनी उपज का अच्छा रिटर्न नहीं मिल पाएगा और देश के किसानों की हालत खस्ता हो जाएगी और किसान आर्थिक रूप से कमजोर हो जाएंगे। इसलिए भारत सरकार को देश के किसानों के कल्याण को ध्यान में रखते हुए गेहूं और चीनी पर प्रतिबंध बढ़ाने के अपने फैसले की समीक्षा करनी चाहिए और गेहूं, गैर-बासमती चावल और चीनी के निर्यात पर प्रतिबंध हटा देना चाहिए।

सहकारिता एवं किसान नेता दर्शन नायक द्वारा प्रधानमंत्री, केन्द्रीय गृह, कृषी और उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री को दिया ज्ञापन

चैंबर द्वारा संचालित स्थायी सुलह आयोग ने पति-पत्नी के बीच वर्षों से चले आ रहे विवाद का निपटारा किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। दक्षिण गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा वर्ष १९८७ से प्रबंधित स्थायी सुलह आयोग आज भी अथक रूप से कार्य कर रहा है। स्थायी सुलह आयोग ने हाल ही में पति-पत्नी के बीच वर्षों से चल रहे विवाद को सुलझाया है। स्थायी सुलह आयोग द्वारा जोड़े को एक साथ रहने के लिए मनाने के बाद भी युवती अपने पति से अलग होने के फैसले पर अड़ी रही। आखिरकार दोनों की आपसी सहमति से दोनों के बीच समझौता हो गया और युवती का

व्यावसायिक, अचल और चल संपत्ति, वैवाहिक, पारिवारिक, वित्तीय विवादों का आयोग द्वारा निपटारा

युवक से तलाक हो गया। युवक ने युवती को ७ लाख रूपए का चेक सौंपा। सूरत निवासी युवक और युवती की शादी १६ अप्रैल २०१६ को हुई थी,

लेकिन उनके बीच सामंजस्य नहीं होने के कारण वे अलग-अलग रह रहे थे। दौरान ८ दिसंबर, २०१८ को युवती ने दक्षिण गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा संचालित स्थायी निपटान आयोग में आवेदन किया। लड़की के आवेदन करने के बाद से दंपति पिछले पांच साल से अलग रह रहे थे। युवक अपने माता-पिता के साथ रहता था जबकि युवती भी अपने माता-पिता के साथ रहती थी। दोनों पति-पत्नी पिछले पांच साल से अलग रह रहे थे। युवती द्वारा स्थायी सुलह आयोग में दायर याचिका के बाद दोनों पक्षों युवती और युवक को चार से पांच बार सुना गया। स्थायी सुलह आयोग ने मानद सेवानिवृत्त न्यायाधीशों, वकीलों, डॉक्टरों, चार्टर्ड अकाउंटेंट, विभिन्न क्षेत्रों की महिला सामाजिक कार्यकर्ताओं और चैंबर सदस्यों की उपस्थिति में लड़की और लड़के और उनके करीबी रिश्तेदारों की बात सुनने के बाद जोड़े को एक साथ रहने के लिए राजी किया।